दैनिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

D Edition

Reg.No.RJ26D00120077

भारत टाइम्स

www.bharattimenews.com

सत्यमेव परं श्रुतम्

Bharattimesnews01@gmail.com

आईएसटीडी चुनाव 2024-26 में...

वर्ष- 2 | अंक-128 | दिल्ली, गुरूवार 20 जून 2024 | पेज-8 | ई-पेपर नई दिल्ली से प्रसारित

विचार

"आत्मा को अनुभव करने के लिए बस 'शांत' रहना आवश्यक है

रमण महर्षि ...

न्यूज. ब्रीफ

हद हो गई... प्रधानमंत्री आवास में खुली कलाली

रायसेन। मध्यप्रदेश में आबकारी अधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री आवास में शराब दुकान खोलने का निर्देश दिए जाने पर बवाल मच गया है। नियम अनुसार पीएम आवास में इस तरह की गतिविधियां संचालित नहीं की जा सकती। सडक सुरक्षा नीति की यदि बात करें तो नैतिक रूप से शराब दुकानों के लाइसेंस हाइवे से 100 मीटर दूर ही देने का प्रावधान है। जहां सौ मीटर के दायरे में शराब दुकानें हैं, उन्हें हटाने का प्रावधान है। रायसेन की पठारी पंचायत में सागर जाने वाले मुख्य मार्ग पर नियम को दरकिनार करते हुए आबकारी अधिकारी ने सोम कंपनी की शराब दुकान खोलने के निर्देश जारी कर दिए। इस मामले में आबकारी विभाग का कहना है कि इसकी जानकारी मीडिया से मिली है। हमने तत्काल जांच के आदेश दे दिए हैं। कलाली यहां से हटाईजाएगी।

कनाडाई संसद में आतंकी के लिए मौन

ओटावा। कनाडा की संसद में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के एक साल पूरे होने पर उसे श्रद्धांजलि दी गई। इसके लिए संसद में एक मिनट का मौन रखा गया। कनाडाई संसद हाउस ऑफ कॉमन्स में पहले स्पीकर ग्रेग फर्गस ने शोक संदेश पढ़ा और उसके बाद सभी सांसदों से निज्जर के लिए मौन रखने को कहा गया। दरअसल, कनाडा के सरे शहर के एक गुरुद्वारे से निकलते समय निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने पिछले साल 18 सितंबर को भारत सरकार पर निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया था, जिसे भारत ने खारिज किया था।

हादीपोरा में एनकाउंटर में दो आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार को आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच एनकाउंटर जारी है। यहां के हादीपोरा इलाके में दो आतंकी मारे गए हैं, जबकि स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप का एक जवान घायल हुआ है। हादीपोरा में पुलिस और सेना की जॉइंट टीम ने आतंकियों को ढूंढने के लिए एक सर्च ऑपरेशन जारी किया था। जैसे ही सुरक्षाबल आतंकियों की छिपने की संदिग्ध जगह तक पहुंचे, आतंकियों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। इससे पहले सोमवार की सुबह बांदीपोरा में सुरक्षाबलों ने आतंकी एलईटी कमांडर उमर अकबर लोन उर्फ जाफर को मार गिराया। वो पट्टन का रहने वाला था। इलाके में 2 से 3 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। उनकी तलाश के लिए सेना का ऑपरेशन जारी है।

मजदूरी के भुगतान को लेकर विवाद

खंडवा। ओंकारेश्वर वन परिक्षेत्र की वन समिति में मजदूरी के भुगतान को लेकर हुए विवाद में मजदूर ने समिति अध्यक्ष को गोली मार दी। गंभीर घायल समिति अध्यक्ष को पहले सनावद और वहां से इंदौर रेफर किया गया है। वारदात के बाद आरोपित मौके से भाग निकला। पुलिस गोली चलाने वाले मजदूर को तलाश रही है। पुलिस के अनुसार वारदात मंगलवार देर रात ओंकारेश्वर के निकट ग्राम झिल्लार में हुई। वन समिति श्रमिक सुरसिंह ने मजदूरी के दस हजार रुपए बैंक खाते में नहीं डालने पर समिति अध्यक्ष 45 वर्षीय धनसिंह पुत्र बद्रीविशाल निवासी झिल्लार को गोली मार दी। गोली कमर के आर-पार होने से गंभीर घायल अध्यक्ष को तुरंत अन्य कर्मचारी व मजदूर अस्पताल ले गए। जहां से उन्हें उपचार के लिए इंदौर भेज दिया गया।

सोम डिस्टिलरी पर मोहन सरकार की बड़ी कार्रवाई

बाल मजदूरी मामले में फैक्ट्री का लाइसेंस निलंबित

भोपाल। नाबालिगों से शराब बनवाने के मामले में शराब कंपनी सोम डिस्टिलरी पर मोहन सरकार की बड़ी कार्रवाई की गई है। सरकार ने इस कंपनी का लइसेंस निलंबित कर दिया है। बता दें कि कुछ दिन पहले इसी फैक्ट्री में 59 बच्चे शराब बनाते मिले थे। सीएम डॉ. मोहन यादव की नाराजगी के बाद जिला आबकारी अधिकारी, तीन आबकारी एसआई और एक श्रम निरीक्षक नप चुके है। बता दें कि अबतक की सबसे बड़ी कार्रवाई में से एक है। बच्चों से काम कराने की जानकारी सामने आने के बाद आबकारी विभाग ने सोम डिस्टलरी को नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा था, लेकिन कंपनी की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया।

मप्र के 7 लाख कर्मचारियों को मिलेगी बड़ी सौगात

अगस्त में 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ा सकती है सरकार

अभी केंद्रीय कर्मचारियों को 50 फीसदी तो मप्र में कर्मचारियों को 46 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा

- प्रदेश के आगामी बजट में महंगाई भत्ता व राहत के लिए 56 प्रतिशत के हिसाब से प्रावधान रखा जाएगा।

भोपाल। राज्य सरकार अगस्त में प्रदेश के सात लाख से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 4 प्रतिशत बढ़ा सकती है। लोकसभा चुनाव के पहले यह 42 से बढ़ाकर 46 प्रतिशत किया गया था। वहीं, केंद्र सरकार इस साल जनवरी से 50 प्रतिशत की दर के अनुसार महंगाई भत्ता व राहत दे रही है। प्रदेश में भी अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को इसके अनुरूप ही 50 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। प्रदेश के आगामी बजट में महंगाई भत्ता व राहत के लिए 56 प्रतिशत के हिसाब से प्रावधान रखा जाएगा। प्रदेश के कर्मचारियों को अभी 46 प्रतिशत महंगाई भत्ता और पेंशनरों को इतनी ही महंगाई राहत मिल रही है। इसे बढ़ाकर केंद्रीय कर्मचारियों की तरह ही करने की मांग कर्मचारी संगठन काफी दिनों से कर रहे हैं, लेकिन अभी बजट प्रावधान नहीं है। वर्ष 2023-24 में 46 प्रतिशत के हिसाब से महंगाई भत्ता देने के लिए विभागों को बजट दिया था, जबकि लोकसभा चुनाव की घोषणा होने से एक दिन पहले यानी 15 मार्च, 2024 को अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों का महंगाई भत्ता 46 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया। ऐसा दूसरी बार किया गया। इसके पहले राज्य के कर्मचारी और अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों का महंगाई भत्ता एक साथ बढ़ाया जाता था।

केंद्र दो बार बढ़ाता है महंगाई भत्ता

वित्त विभाग के अधिकारियों का कहना है कि केंद्र सरकार वर्ष में दो बार महंगाई भत्ता व राहत बढ़ाती है। एक बार वृद्धि हो चुकी है और दूसरी जुलाई में प्रस्तावित है। इसे देखते हुए हमने भी तैयारी कर ली है। विधानसभा के बजट सत्र के बाद महंगाई भत्ता 46 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया जा सकता है।

गर्मी से एक हफ्ते में 577 हज यात्रियों की मौत

- इनमें सबसे ज्यादा 323 मिस्र के, सऊदी के मक्का में तापमान 52डिग्री पहुंचा

मक्का। सऊदी अरब के मक्का में हज के लिए पहुंचे 550 यात्रियों की मौत हो गई है। 12 जून से 19 जून तक चलने वाली हज यात्रा में अब तक कुल 577 तीर्थयात्रियों की मौत हो चुकी है। इसकी वजह सऊदी अरब में पड़ रही भीषण गर्मी बताई गई है। पिछले साल 240 हज यात्रियों की मौत हुई थी। मरने वालों में 323 नागरिक मिस्र के और 60 जॉर्डन के हैं। इसके अलावा ईरान, इंडोनेशिया और सेनेगल के तीर्थयात्रियों की भी मौत हुई है। इनमें कोई भारतीय है या नहीं यह साफ नहीं हो पाया है। सऊदी के 2 डिप्लोमैट्स बताया कि ज्यादातर मौतें गर्मी की वजह से बीमार पड? के चलते हुई हैं।

2 हजार का इलाज जारी- मिस्र के विदेश मंत्री ने कहा कि वे सऊदी के अधिकारियों के साथ मिलकर लापता लोगों को खोजने के लिए ऑपरेशन चला रहे हैं। सऊदी अरब ने बताया कि गर्मी की वजह से बीमार हुए करीब 2 हजार तीर्थयात्रियों का इलाज किया जा रहा है। 17 जून को मक्का की ग्रैंड मस्जिद में तापमान 51.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। सऊदी अरब के अधिकारियों के मुताबिक, मक्का में जलवायु परिवर्तन का गहरा असर हो रहा है।

पिछले साल 240 लोगों ने दम तोड़ा था

इससे पहले पिछले साल हज पर गए 240 तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी। इनमें से ज्यादातर इंडोनेशिया के थे। सऊदी ने सभी यात्रियों को छाते इस्तेमाल करने की सलाह दी है। इसके अलावा उन्हें लगातार पानी पीने और धूप से बचने के लिए कहा जा रहा है। हालांकि, माउंट अराफात की इबादत के साथ हज के ज्यादातर रिवाज दिन में किए जाते हैं। इसके लिए तीर्थयात्रियों को लंबे समय तक बाहर धूप में रहना पड़ता है। तीर्थयात्रियों ने बताया कि हज के दौरान अक्सर उन्हें सडक के किनारे बीमार यात्री नजर आते हैं।

अमरवाड़ा उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार घोषित

धीरन शाह इनवाती को बनाया प्रत्याशी

आंचलकुंड दरबार से जुड़े हैं शाह; आज करेंगे नामांकन

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधानसभा सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस ने धीरन शाह इनवाती को प्रत्याशी बनाया है। धीरन शाह आंचलकुंड दरबार के सेवक सुखराम दादा के बेटे हैं। कांग्रेस प्रत्याशी धीरन शाह गुरुवार को दोपहर 12 बजे नामांकन दाखिल करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार इस दौरान मौजूद रहेंगे। दोनों नेता कांग्रेस प्रत्याशी की नामांकन रैली में शामिल होंगे। जीतू पटवारी ने कहा कि अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में मेरे छोटे भाई धीरन शाह कांग्रेस के विचारधारा को नई गति देंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि संगठन कौशल और क्षेत्र के लोकप्रिय चेहरे के रूप में जनता का आशीर्वाद उन्हें जरूर मिलेगा। सच और न्याय की इस लड़ाई को हम सभी मिलकर लड़ेंगे और जरूर जीतेंगे। कांग्रेस में इसके पहले जिला पंचायत सदस्य नवीन मरकाम और चंपालाल कुरचे के नाम पर विचार चल रहा था। कुछ स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने आंचलकुंड दरबार से प्रत्याशी बनाने की बात रखी। इसके बाद धीरन शाह के नाम पर सहमति बनी।

आदिवासी वोटबैंक में अच्छी पकड़

आंचलकुंड के सेवादार सुखराम दादा के परिवार की आदिवासी परिवारों में अच्छी पकड़ है। भारिया हो या आदिवासी, हर कोई दादा दरबार में जाकर हाजिरी लगाता है। ऐसे में उनके परिवार को हर कोई जानता है। कांग्रेस अब इसी संबंध को भुनाने की तैयारी में है। कमलनाथ ने 1980 में लोकसभा का चुनाव लड़ा था। अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत करने से पहले वे आंचलकुंड धाम पहुंचे थे। उस समय रतनदास जी धाम के सेवादार हुआ करते थे। रतनदास जी के बाद उनके पुत्र इस धाम के सेवादार हैं। आंचलकुंड धाम बाबा कंगाल दास ने स्थापित किया था। ये जगह आदिवासियों की आस्था का केंद्र है। बाबा की तीसरी पीढ़ी के सेवादार सुखराम दास जी महाराज ने बताया कि करीब 100 साल पहले कंगाल दास बाबा की जिद पर खंडवा के धूनी वाले दादा जी ने इस आंचलकुंड में धूनी जलाई थी। कंगाल दास बाबा पिता के परदादा थे। वे आदिवासी परिवार सिंगरामी इनवाती के परिवार में जन्मे थे।

21 जून को नामांकन की आखिरी तारीख

अमरवाड़ा उपचुनाव के लिए बीजेपी प्रत्याशी के रूप में कमलेश शाह नामांकन दाखिल कर चुके हैं। वे पहले कांग्रेस के टिकट पर अमरवाड़ा विधानसभा सीट से ही विधायक चुने गए थे। उनके बीजेपी में जाने और विधायक पद से इस्तीफा देने से अमरवाड़ा सीट खाली हुई है। अमरवाड़ा उपचुनाव में 21 जून नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख है। 10 जुलाई को उपचुनाव होना है। 13 जुलाई को नतीजे आएंगे। उपचुनाव में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की ओर से देव रावेन भलावी भी मैदान में हैं।

पाकिस्तान के कई हिस्सों में लगे भूकंप के झटके

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद समेत देश के कई हिस्सों में बुधवार को 4.7 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि, अभी तक जान-माल के नुकसान होने की कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में 98 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के झटके इस्लामाबाद, रावलपिंडी, पेशावर, स्वात, मलकंद, उत्तरी वजीरिस्तान, पाराचिनार, लोअर दीर, हांगू, चारसद्दा और स्वाबी सहित कई क्षेत्रों में महसूस किए गए। पाकिस्तान में अक्सर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं क्योंकि मुल्क इंडियन और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट की सीमा पर स्थित है। दक्षिण एशिया का एक बड़ा हिस्सा भूकंपीय दृष्टि से सक्रिय है क्योंकि इंडियन टेक्टोनिक प्लेट उत्तर की ओर यूरेशियन प्लेट से टकराती हैं।

राहुल का दावा, एनडीए के कुछ दल हमारे संपर्क में...

छोटी सी गड़बड़ी गिरा सकती है सरकार

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि सत्तारूढ़ एनडीए की संख्या बहुत नाजुक है और थोड़ी सी भी गड़बड़ी सरकार गिरा सकती है। राहुल गांधी ने कहा, संख्या ऐसी है कि वे बहुत नाजुक हैं, और छोटी सी गड़बड़ी सरकार को गिरा सकती है। मूल रूप से, एक (एनडीए) सहयोगी को दूसरी तरफ मुड?ा होगा। लोकसभा चुनाव नतीजों पर गौर करें। उन्होंने यह भी दावा किया कि राजग के कुछ साझेदार हमारे संपर्क में हैं लेकिन उन्होंने कोई नाम नहीं बताया लेकिन कहा कि मोदी खेमे के भीतर बड़ा असंतुलन है। कांग्रेस नेता के हवाले से कहा गया है कि लोकसभा चुनाव के नतीजों से पता चलता है कि भारतीय राजनीति में एक बड़ा बदलाव आया है और दावा किया कि मोदी के विचार और छवि नष्ट हो गई है। उन्होंने तर्क दिया कि मोदी के नेतृत्व वाली तीसरी एनडीए सरकार संघर्ष करेगी क्योंकि 2014 और 2019 में नरेंद्र मोदी के लिए जो काम आया वह काम नहीं कर रहा है। नतीजों के बारे में राहुल गांधी ने कहा कि यह विचार है कि आप नफरत फैला सकते हैं, आप गुस्सा फैला सकते हैं और आप लाभ उठा सकते हैं उसका लाभ-भारतीय जनता को इस चुनाव में इसे खारिज कर दिया है- ... जिस पार्टी ने पिछले 10 साल अयोध्या के बारे में बात करते हुए बिताए, उसका अयोध्या में सफाया हो गया है... वास्तव में जो हुआ है वह यह है कि धार्मिक नफरत पैदा करने का विचार भाजपा की मूल संरचना है ढह गया। उन्होंने विपक्ष के अच्छे प्रदर्शन का श्रेय अपनी दो भारत जोड़ो यात्राओं को भी दिया। न्यायिक प्रणाली, मीडिया, संस्थागत ढांचा-सभी (विपक्ष के लिए) बंद थे, और इसलिए हमने निर्णय लिया कि हमें वस्तुतः, भौतिक रूप से ऐसा करना होगा। इस चुनाव में सफल होने वाले बहुत सारे विचार सामने आए उस दीवार से उनके हवाले से कहा गया है।

अभी जेल में ही रहेंगे सीएम केजरीवाल

कोर्ट ने बढ़ाई न्यायिक हिरासत

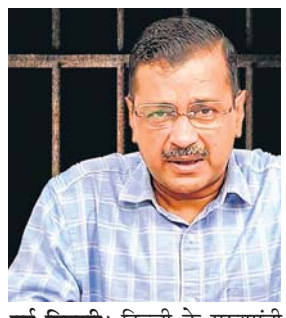

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अभी जेल में ही रहेंगे, सीएम केजरीवाल की न्यायिक हिरासत तीन जुलाई तक बढ़ा दी गई है। इससे पहले अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। वहीं अदालत ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत भी 19 जून तक बढ़ा दी थी। शराब नीति मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया था। कोर्ट में दाखिल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोप पत्र में कहा था कि राजधानी में शराब के व्यापार में निवेश करने की एवज में पंजाब के व्यापारियों से भी रिश्वत ली गई थी। उसने यह भी कहा था कि आम आदमी पार्टी (आप) शासित पंजाब के उन व्यापारियों को पड़ोसी राज्य में शराब कारोबार में निवेश नहीं करने दिया गया, जिन्होंने रिश्वत नहीं दी थी। पहली बार धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत किसी राजनीतिक पार्टी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

कंचनजंगा ट्रेन दुर्घटना

4 रातों से सोया नहीं था लोको पायलट नियम लगातार सिर्फ 2 रात ड्यूटी का

सिलीगुड़ी। कंचनजंगा ट्रेन दुर्घटना के बाद से रेलवे बोर्ड मालगाड़ी के लोको पायलट पर हादसे का दोष मढ़ रहा है। बोर्ड का कहना है कि लोको पायलट ने रंगापानी स्टेशन से टीए 912 अथॉरिटी पास लेने के बाद मालगाड़ी को खराब सिग्नलों के बीच तय लिमिट से ज्यादा गति से निकाला, इसलिए हादसा हुआ। इस पर ऑल इंडिया रनिंग लोको स्टाफ एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एसएस ठाकुर ने बताया कि सिग्नल फेल होने पर जिस वैकल्पिक फार्म टीए 912 के जरिए ट्रेनें चलाई जाती हैं, उससे जुड़ा नियम ये भी है कि जब तक आगे वाली ट्रेन अगला स्टेशन

लू और गर्मी से फिलहाल नहीं मिलेगी निजात

गर्मी से हाहाकार: नोएडा और दिल्ली में 27 की मौत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत उत्तर और पूर्वी भारत में प्रचंड गर्मी से हाहाकार मचा है। बीते 15-20 दिनों से उत्तर प्रदेश, पंजाब व हरियाणा समेत ज्यादातर राज्यों में दिन का तापमान 44-47 डिग्री सेल्सियस के बीच बरकरार है। लू और गर्मी से फिलहाल निजात नहीं मिलेगी। राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। नोएडा के बाद दिल्ली में 13 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं नोएडा में गर्मी से 14 लोगों की जान चली गई। दिल्ली में बुधवार को 12 साल की सबसे गर्म रात रही और न्यूनतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नोएडा जिले में अलग-अलग स्थानों पर 14 लोगों की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। इनमें पांच शवों की पहचान भी नहीं हो पाई। आशंका जताई जा रही है कि भीषण गर्मी व लू के कारण इन लोगों ने दम तोड़ा है। पुलिस का दावा है कि इनके शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। संबंधित कोतवाली पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के सही कारणों का पता चलेगा। दिल्ली-एनसीआर में प्रचंड गर्मी को लेकर रेड अलर्ट जारी है। लू के थपेड़ों से अभी कम से कम 10 दिन तक किसी बड़ी राहत की उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार 27-28 जून के आसपास मानसून पहुंचने के बाद ही राहत मिल सकती है। हालांकि, इस दौरान एक-दो दिन बारिश हो सकती है, पर इससे भीषण गर्मी से तात्कालिक राहत ही मिलेगी। मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि यूपी व हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली के कुछ क्षेत्रों में भीषण लू की स्थिति बनी रहेगी। राजस्थान, एमपी, बिहार, झारखंड, उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश, विदर्भ व बंगाल के कुछ हिस्सों में भी ऐसे ही हालात रहेंगे। पंजाब, हरियाणा, बिहार व झारखंड में गर्मी का रेड अलर्ट जारी है।

दिल्ली में प्रचंड गर्मी से 33 की मौत

बीते मंगलवार को गर्मी से 33 लोगों की मौत हुई। पुलिस के पास अभी पांच जिलों का डेटा नहीं है। ज्यादातर पुलिस उपायुक्त का कहना है कि यह फुटपाथ व रैन बसेरों में रहने वाले लोग थे। शुरूआती जांच में पुलिस इनकी मौत का कारण गर्मी ही मान रही है। हालांकि यह भी कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद तस्वीर और स्पष्ट हो जाएगी। उधर, दिल्ली के 38 अस्पतालों में हर रोज बेहोशी, उल्टी व चक्कर आने के 100 से ज्यादा मरीज पहुंच रहे हैं।

Regd. 202045

भारतीय पत्रकार समिति

पत्रकारों के हक में - पत्रकारिता के हित में

तेजी से उभरता भारत का सबसे बडा पत्रकारों का संगठन

पत्रकारिता से जुडे व्यक्ति सदस्य बनने के लिए अपना बायोडाटा आईडी कार्ड सहित ईमेल करे

निष्पक्ष निडर सेवाभाव

राष्ट्रीय स्तर पर सदस्यता अभियान शुरू

Email: indianjournalistcommittee@gmail.com

सूक्ष्म उद्यमियों के लिए उद्यमिता विकास कार्यक्रम प्रशिक्षण का समापन

♦भारत टाइम्स♦

चितौड़गढ़ (अमित कुमार चेचानी)। बैंक ऑफ बड़ौदा (ग्रामीण स्वराजेगार प्रशिक्षण संस्थान) द्वारा गाँव सिंहपुर तह. कपासन में महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से निःशुल्क 13 दिवसीय सूक्ष्म उद्यमियों के लिए उद्यमिता विकास कार्यक्रम प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजीविका बी.पी.एम. बाबु लाल कुमावत, एम.आइ.एस. नवीन शर्मा, एल.आर.पी. शान्ति लाल अहिर, ए.आर.पी लक्ष्मण रेगर, आर.पी.आर.पी. रणजीत सेन, अकाउंटेंट प्रियंका चैहान थे। इस अवसर पर संस्थान के फैकल्टी

सत्यनारायण कुमावत एवं मास्टर ट्रेनर चन्द्रकला सुथार उपस्थित थें। मुख्य अतिथि ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए रोजगार से जुड़ने हेतु प्रेरित किया एवं विभिन्न प्रेरणात्मक गतिविधियों की सहायता से अपना लक्ष्य प्राप्त करने के उद्धेश्य से भी अवगत कराया गया। एवं प्रशिक्षण के बाद स्वरोजगार शुरू करने के लिए प्रेरित किया। ट्रेनर चन्द्रकला सुथार ने प्रतिभागियों को ब्लाउज, सलवार कुर्ते, पेन्ट, प्लाजो, और नाइट शुट इत्यादि सिखाया गया। एवं सिलाई सम्बन्धित विभिन्न जानकारियां प्रदान की। फैकल्टी ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को बताया की बडौदा स्वरोजगार विकास संस्थान द्वारा बेरोजगार युवक- युवतियों के लिए स्वरोजगार हेतु ब्यूटी पार्लर प्रबन्धन, सिलाई, मोबाईल रिपेयरिंग, टैली, होममेड अगरबत्ती निमार्ता, ज्वेलरी बनाना, डेयरी एवं वर्मी कम्पोस्ट, बकरी पालन, मुर्गी पालन के निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित है। अन्त में फैकल्टी सत्यनारायण कुमावत ने मुख्य अतिथि को धन्यवाद दिया।

स्टेट फंड स्कीम के तहत बाजरे का बीज वितरण किया गया।

♦भारत टाइम्स♦

शिव खेत सिंह राजपुरोहित। *शिव उपखंड क्षेत्र की बिसू कला ग्राम पंचायत में आज बाजारा बीज का निशुल्क वितरण किया गया। जिसमें महिला कृषक के जनाधार व मोबाइल के तहत बाजारा का बीज वितरण किया जा रहा है। इस दौरान बीसु कला अर सर्कल के ग्रामीण व महिलाए बाजारा का बीज लेकर गए। इस दौरान राजेश जी कृषि पर्यवेक्षक व चेनसुख शर्मा राजडाल द्वारा बीज वितरण किया गया।*

भामाशाहों व सहयोगियों का हुआ सम्मान

बीटन तालाब की 13 दिन में 13 लाख से खुदाई कार्य

जन सहयोग से हुआ कार्य

♦भारत टाइम्स♦

बोरुंदा सोहनलाल वैष्णव। निकटवर्ती बीटन गांव की गंवाई नाडी तालाब का जनसहयोग से 13 दिन में करीब 13 लाख की लागत से पांच फीट का शानदार खुदाई कार्य हुआ इसमें भामाशाह व सहयोगियों का सम्मान किया गया। बीटन नाडी तालाब को बादल नाडी भी कहते हैं यहां के बाशिंदे इस नाडी में बारिश से एकत्रित हुआ पानी को पेयजल के रूप में काम में लेते हैं तथा नाडी की साफ सफाई व रखवाली को लेकर ग्रामीणों द्वारा देखरेख भी की जाती है। पिछले करीब 15 वर्षों तक खुदाई कार्य नहीं हुआ था इस बार दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने जन सहयोग से यह खुदाई कार्य करवाया गया। बीटन तालाब में खुदाई कार्य पच्चीस ट्रैक्टर व पांच जेसीबी मशीनों से 13 दिन में लगभग 13 लाख का खर्च हुआ जो जनसहयोग से खर्च किये गए। इस

दौरान गौतम बडियार विकास अधिकारी, मनसुख भाई प्रिन्स, सरपंच पुरुषोत्तम दास, अमित गर्ग, रामेश्वर दास, घीसाराम ग्वाला, पुखराज, कानाराम बांगड़ा, भाकरराम चोयल, बक्साराम गोदारा, ज्ञान सिंह, रामप्रकाश सियाग, लालसिंह, नेमाराम, तिलोकराम बडियार, सियाराम, रामनिवास सियाग, मेट नाथुराम गोदारा, रतन खदाव, पेमाराम बांगड़ा, सुवालाल गोदारा, बाबुलाल सियाग, मिश्रीलाल गोलिया, मनोहर बडियार सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे। इस खुदाई कार्य में काम करने वाले जेसीबी ऑपरेटर व ट्रैक्टर चालकों का साफा पहनाकर बुधवार को अभिनंदन किया गया।

फैक्ट फाइल

>> मेड़ता उपखंड का बीटन गांव।
>> आबादी करीब छः हजार।
>> गंवाई तालाब बादल नाडी।
>> विक्रम संवत करीब 1560 से 1580 के बीच में बनाई गई नाडी।
>> कुल क्षेत्रफल 1500 बीघा
जल भराव क्षमता करीब 80 बीघा।
>> 15 वर्ष बाद एक बार फिर खुदाई।
>> तेरह दिन में 13 लाख खर्च
पांच जेसीबी व पच्चीस ट्रैक्टर से कार्य।
>> साफ सफाई को लेकर निगरानी कमेटी जुमार्ने का प्रावधान।
>> सात फीट से तेरह फीट गहराई तक की खुदाई।

बोरुंदा में आज 2 घंटे विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी

बोरुंदा सोहनलाल वैष्णव। विद्युतीय रखरखाव व मरम्मत कार्य को लेकर बोरुंदा डिस्कॉम से निकलने वाले सभी फीडरों में दो घंटे बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। सहायक अभियंता राजेश देवड़ा ने बताया कि विद्युतीय रखरखाव व मरम्मत कार्य को लेकर 132 केवी जीएसएस बोरुंदा पर गुरुवार 20 जून 2024 को प्रातः 07:00 बजे से 9:00 बजे तक 132 केवी लाइन की विद्युत आपूर्ति दो घंटे बंद रहेगी। शटडाउन के कारण बोरुंदा जीएसएस से निकलने वाले सभी 33 केवी फीडर बोरुंदा, खावासपुरा, घोड़ावट, गढसुरिया, सोवनिया, हरियाढाणा, रणसीगांव, खेजड़ला, पटेलनगर के सभी फीडर की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

आईएसटीडी चुनाव 2024-26 में नंदावत अध्यक्ष, डॉ. कमल राठौड़ सचिव चयनित

♦भारत टाइम्स♦

उदयपुर। 19 जून : वी.वी.नंदावत और डॉ. कमल सिंह राठौड़ भारतीय प्रशिक्षण एवं विकास सोसायटी (आईएसटीडी), उदयपुर चैप्टर के क्रमशः अध्यक्ष और मानद सचिव चुने गए। चुनाव सीएसडीएल नई दिल्ली द्वारा ई-वोटिंग के माध्यम से हुआ। वी वी नंदावत, पूर्व जी.एम. (वित्त), हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने 180 में से 147 मतों के भारी बहुमत से चुनाव जीता। डॉ. कमल राठौड़, फामेर्सी प्राध्यापक, बी.एन.यू. मानद सचिव पर निर्विरोध चुने गए। उपाध्यक्ष के लिए किशोर कटेजा, पूर्व प्रमुख (पीएफ) 107 मतों से चुने गए । डॉ. ए. प्रशांत को कोषाध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुना गया। राष्ट्रीय परिषद के लिए, निम्नलिखित निर्विरोध चुने गए - डॉ. राजेश्वरी नरेंद्रन, निदेशक एनटीपीसी स्कूल बिजनेस, पी एस सोलंकी, पूर्व जीएम एचजेडएल, डॉ. वी नरेंद्रन, सलाहकार, एआरईएम दुबई, पूर्व प्रमुख (एलएंडडी) एचजेडएल, कपिल शर्मा, सिक्योर मीटर्स, एपीएस चांदी और प्रणय जानी। डॉ. सोनल सिंघवी, ताहिर लुक्कावाला, अविरल कोठारी और अशोक सारस्वत कार्यकारी सदस्य चुने गए। आईएसटीडी एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित व्यावसायिक संस्था है जिसके पूरे भारत में 52 चैप्टर हैं और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।1988 में स्थापित उदयपुर चैप्टर में एचजेडएल, आरएसएमएमएल, सिक्योर मीटर्स, लिपिडेटा, एमएलएसयू, बीएन यूनिवर्सिटी, पैसिफिक यूनिवर्सिटी, गीतांजलि मेडिकल कॉलेज, सिंघानिया यूनिवर्सिटी, रेलवे, ओटीसी, सरकारी विभागों आदि से 350 पेशेवर सदस्य हैं। आई एस टी डी उदयपुर चैप्टर ने 7 बार अखिल भारतीय सर्वश्रेष्ठ चैप्टर पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ सदस्य, राष्ट्रीय अध्येता सहित रिकॉर्ड संख्या में पुरस्कार जीते।चैप्टर को मान्यता देते हुए, डॉ. राजेश्वरी नरेंद्रन 2013-14 में पहली महिला और सबसे कम उम्र की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनीं।

शरद गंगवार को सेन्ट्रल जोन प्रतियोगिता में प्राप्त हुए पदक

♦भारत टाइम्स♦

चित्तौड़गढ़ (अमित कुमार चेचानी)। तीसरी ईस्ट व सेन्ट्रल जोन पिकलबॉल प्रतियोगिता नोयडा इन्डोर स्टेडियम, नोयडा में 14 से 16 जून को सम्पन्न हुई। इस प्रतियोगिता में राजस्थान से 4 प्रतियोगियों ने भाग लिया। जिसमें चित्तौड़गढ़ के शरद गंगवार ने 60+ वर्ग में खेलते हुए एकल का रजत पदक एवं मिक्स युगल प्रतियोगिता में आभा जैन के साथ खेलते हुए दूसरा रजत पदक प्राप्त किया। शरद गंगवार राष्ट्रीय स्तर पर 60+ वर्ग में दूसरे स्थान पर है तथा राजस्थान में पहले नम्बर पर

हैं। जयपुर के नवपुनीत सिंह ने 19+ ओपन वर्ग में गोल्ड मेडल जीता तथा 35+ वर्ग में उन्हें कांस्य पदक प्राप्त हुआ। राजस्थान के अन्य खिलाड़ियों का भी उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। प्रतियोगिता में शरद गंगवार को गेस्ट ऑफ ऑनर मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया। जिला क्लब संस्थान पिकलबॉल कोर्ट पर खेलते हुए उन्होनें विभिन्न राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में ढाई वर्ष में 21 पदक जीते हैं। चित्तौड़गढ़ के अन्य खिलाड़ी भी पिकलबॉल खेल में समय-समय पर पदक जीतते आ रहे हैं तथा खेल में अच्छा प्रदर्शन होने से चित्तौड़गढ़ में अब तीन जगह पिकलबॉल कोर्ट संचालित हो रहे हैं। यह खेल सुगम है तथा भारत में व विश्व में तेजी से बढ़ रहा है एवं इसमें पदक प्राप्ति की और स्वास्थ्य लाभ की अच्छी संभावनाएं है।

विज्ञान भारती राजस्थान में पौधारोपण अभियान के तहत लगाएगी एक करोड़ पौधें

अलवर से हुई अभियान की पोस्टर विमोचन के साथ शुरूआत

♦भारत टाइम्स♦

अलवर राजेश गुप्ता। संपूर्ण विश्व में पारिस्थितिकी तंत्र प्रकृति के असंतुलन से गड़बडाया हुआ है, जिसके कारण पूरी पृथ्वी भयंकर तापमान को झेल रही है और हालात यही रहा तो वो दिन दूर नहीं जब तापमान 52 से 55 डिग्री सल्सियस तक पहुंच जायेगा, ऐसे ताप वार से बचने का केवल एक ही उपाय है पारम्परिक स्थानीय पौधों का अधिकाधिक रोपण एवं उनका परिवार की तरह संरक्षण करना। इसी उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए विज्ञान भारती राजस्थान इकाई ने सम्पूर्ण राजस्थान में न केवल 1 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है बल्कि आगामी 3 वर्षो तक उन पेड़ों की संभाल कर हमारे जंगलो को पुनर्जवित करने एवं, पारिस्थितिक तंत्र को पुनः स्थापित करने का संकल्प भी लिया है । इसी अभियान के तहत आज अलवर से इस अभियान का आगाज हुआ, जिसके तहत विज्ञान भारती अलवर की टीम के साथ कार्य योजना बनाने के लिए बैठक आयोजित की गई जिसमे नगर के अविकसित पार्क या अन्य खाली जगह को प्रशासन की अनुमति से गोद लेकर उसमे नीम, पीपल व बरगद के वृक्ष लगाकर जैव विविधता को संरक्षित करने पर कार्य किया जायेगा। केशव कृपा कार्यालय पर विज्ञान भारती के प्रदेश सचिव डॉ. मगेंद्र शर्मा द्वारा प्लांटेशन ड्राइव पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर विज्ञान भारती से डॉ. अतुल गुप्ता, डॉ. भवानी शंकर शर्मा, डॉ. अनूप प्रधान, डॉ. पवन कुमार, डॉ. नरेश जैन, सौरभ कालरा, अंतरराष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी पायल सैनी, किशन गुप्ता, वेद राठौर, मोहित डूडेजा, सूर्यकांत भारद्वाज, निर्मल प्रकाश सुरा

प्रेम प्रसंग के चलते देवर-भाभी ने जहर खाकर दी जान

मृतका की बहन ने मृतक युवक को एम्बुलेंस से नीचे पटकर पीटा

♦भारत टाइम्स♦

मुकेश शर्मा गोविन्द गढ़ अलवर। गोविंदगढ़ कस्बे के समीपवर्ती ग्राम दोड़ोली में प्रेम प्रसंग के चलते देवर भाभी ने जहर खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। दोनों मृतक रिश्ते में देवर भाभी लगते हैं। जिनके बीच काफी दिनों से प्रेम प्रसंग का मामला चल रहा था। घर वालों को जैसे ही प्रेम प्रसंग के बारे में जानकारी मिली तो घर में झगडा होने लगा। क्लेश से तंग आकर दोनों ने गांव के सरकारी स्कूल में जाकर जहर खा लिया और अपने जीवन लीला को समाप्त कर लिया।

ग्रामीणों ने जब दोनों को स्कूल में अचेत हालत में देखा तो घर वालों को सूचना दी आनन फानन में परिजन दोनों को गोविंदगढ़ के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां पर डॉक्टरों ने विवाहित महिला निर्मला उर्फ निर्मल उम्र 30 वर्ष को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं युवक अश्विन पुत्र नारायण दास उम्र 24 वर्ष को चिकित्सकों ने जिला अस्पताल अलवर रैफर कर दिया जहां युवक ने भी रास्ते में अपना दम तोड़ दिया। मृतका निर्मला के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। मृतक गांव के ही स्कूल में आंगनबाड़ी में सहायिका का काम भी करती है और तथा उसका पति प्रयागराज उत्तर प्रदेश में नौकरी करता है। पुलिस ने दोनों का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। एफएसएल टीम ने मौके पर पहुँच कर साक्ष्य जुटाए । बेहोशी की हालत में मृतका की बहन ने युवक को एम्बुलेंस से पटकर पीटा दोनों के परिजन जब गोविंदगढ़ की सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे तो वहां पर मृतका निर्मल की बहन भी आ गई। इस दौरान डॉक्टरों ने बेहोशी की हालत में जहर खाये युवक अश्विन को जिला अस्पताल अलवर रैफर कर दिया एंबुलेंस जैसे ही युवक को ले जाने लगी तो मृतका की बहन ने एंबुलेंस को रुकवा कर युवक को उसमे से उतारकर कर पीटने लगी जिसके बाद वहां पर मौजूद लोगों ने बीच बचाव कर कर युवक को जिला अस्पताल रेफर कर दिया लेकिन युवक अश्विनी ने भी रास्ते में ही अपने प्राण त्याग दिए।

विनीत जैन ब्लड हेल्प ऑगेर्नाइजेशन का सातवा ब्लड डोनेशन ड्राइव हुआ

♦भारत टाइम्स♦

अलवर राजेश गुप्ता। विनीत जैन के जन्मदिन के अवसर पर उनकी याद में सी ए विनीत जैन ब्लड हेल्प आगेर्नाइजेशन द्वारा , सीतापुरा में स्थित एक कारपोरेट ऑफिस में और 22 गोदाम स्थित एक ऑटोमोबाइल कंपनी में रक्त दान शिविर आयोजित किया गया। जिसमे कुल तीन दिन में 522 यूनिट एकत्रित की गई। शिविर में हाइकोर्ट के जज श्री अशोक कुमार जैन ने शिरकत की। आपको ज्ञात होगा सीए विनीत जैन ब्लड हेल्प ऑगेर्नाइजेशन हर साल इसी दिन रक्तदान शिविर का आयोजन करती है। यह संस्था पूरे साल आपातकालीन स्तिथि में जरूरतमंदों की मदद अपने सदस्यों के द्वारा रक्त दान करवा कर करती है।

पहले से और तगड़ी होगी सीएम योगी के सुरक्षा व्यवस्था की मुकम्मल इंतजाम

♦भारत टाइम्स♦

शीतल निर्भीक। लखनऊ, 19 जून। यूपी पुलिस देशभर में करोड़ों लोगों के चहेते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने जा रही है। इसके लिए महकमा 1 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के अत्याधुनिक उपकरण खरीदने की तैयारी कर रहा है। विभिन्न आतंकी समूहों सहित कई राष्ट्रविरोधी ताकतों की ओर से संभावित खतरों को देखते हुए महकमा हर स्तर पर मुख्यमंत्री के सुरक्षा घेरे को लगातार मजबूत करता रहता है। बता दें कि सीएम योगी को जेड प्लस श्रेणी और एनसजी कमांडो का कवर प्राप्त

है। वहीं प्रदेश पुलिस के जांबाज जवानों का दस्ता भी उनकी सुरक्षा में हर वक्त तैनात रहता है। 1.02 करोड़ रुपए के 91 उपकरण खरीदेगी यूपी पुलिस पुलिस विभाग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विभिन्न जिलों में दौरों के वक्त उनकी सुरक्षा के स्तर को और मजबूत बनाने की तैयारी कर रहा है। इसमें ड्रोन, बॉडीवॉर्न कैमरा, ड्रेसकैम और नाइट विजन की अतिरिक्त खेप को भी सीएम की सुरक्षा व्यवस्था में जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री के साथ ही राज्यपाल की सुरक्षा को भी पुख्ता बनाया जाना है। इस संबंध में शासन की ओर से एडीजी हेडक्वार्टर को जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि राज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित अन्य अतिविशिष्ट और विशिष्ट महानुभावों के प्रदेश भ्रमण, रैलियों, धार्मिक स्थलों, कुंभ मेला सहित महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 1 करोड़ 2 लाख 20 हजार रुपए के 91 उपकरणों की खरीद की जानी है।

आवश्यकता

भारत टाइम्स न्यूज को रिपोर्ट्स ओर अनुभवी मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की आवश्यकता है। यदि आप हमसे जुड़ना चाहते है तो अपना बॉयोडाटा हमे ईमेल करे।

Bharattimesnews01@gmail.com

Whatsapp

9509745147
9799911545

पबजी गेम में भारतीय युवक से हो गई इश्क!

इश्क की जूनून में सात समुंदर पार अमेरिका से आई महिला औरैया में चर्चा का विषय बनी

शीतल निर्भीक। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में पबजी गेम के माध्यम से हुई एक अनोखी दोस्ती ने चर्चा का विषय बना दिया है। अछल्दा थाना क्षेत्र के सुभानपुर निवासी हिमांशु कठेरिया की दोस्ती पबजी खेलते समय अमेरिका के फ्लोरिडा की रहने वाली ब्रुकलिन नामक महिला से हो गई। यह दोस्ती इतनी गहरी हो गई कि ब्रुकलिन हिमांशु से मिलने सात समुंदर पार कर औरैया आ पहुंची। ब्रुकलिन के हिमांशु के घर पर ठहरने के दौरान हिमांशु ने पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी, जो कि एक बड़ी गलती साबित हुई। नियमानुसार, किसी भी विदेशी के भारतीय घर में रुकने की जानकारी पुलिस को फार्म सी के माध्यम से देनी आवश्यक होती है, जिसे हिमांशु ने नजरअंदाज कर दिया।

घटना तब चर्चा में आई जब हिमांशु और ब्रुकलिन 11 जून को एक बस से दिल्ली जा रहे थे। बस में यात्रा कर रहे किसी यात्री ने पुलिस को सूचना दी। शिकोहाबाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों से पूछताछ की। जांच में ब्रुकलिन के पासपोर्ट और अन्य कागजात सही पाए गए, जिसके बाद पुलिस ने उसे दिल्ली जाने की अनुमति दे दी। दूसरी ओर, हिमांशु को पुलिस ने नोटिस जारी किया है। पुलिस के अनुसार, हिमांशु द्वारा फार्म सी के तहत जानकारी न देने के कारण उसे नोटिस जारी किया गया है। मामले को लेकर जिले की एसपी का बयान भी सामने आया है,

जिसमें उन्होंने कहा कि किसी भी विदेशी नागरिक के भारतीय घर में रुकने की सूचना देना आवश्यक होता है और इस मामले में हिमांशु की गलती स्पष्ट है। ब्रुकलिन की यात्रा और हिमांशु से उसकी मुलाकात की खबर पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है। स्थानीय लोगों के बीच इस घटना ने पबजी गेम के माध्यम से हुई दोस्ती की नई मिसाल पेश की है। वहीं, इस घटना ने यह भी स्पष्ट किया है कि विदेशियों के निवास के संबंध में नियमों का पालन कितना महत्वपूर्ण है। ब्रुकलिन और हिमांशु की दोस्ती की यह कहानी सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गई है, जहां लोग इस अनोखी दोस्ती पर अपने-अपने विचार व्यक्त कर रहे हैं। कुछ लोग इसे पबजी गेम की सकारात्मकता मान रहे हैं, जबकि कुछ नियमों के उल्लंघन पर सवाल उठा रहे हैं।

समाज में हो रही इस चर्चा ने पबजी गेम के जरिए बने रिश्तों और अंतरराष्ट्रीय मेलजोल का एक नया उदाहरण पेश किया है। यह घटना यह भी दशार्ती है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बनी दोस्ती वास्तविक जीवन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, बशर्ते नियमों और कानूनों का सही ढंग से पालन किया जाए। इस पूरे मामले ने पुलिस और स्थानीय प्रशासन को भी सतर्क कर दिया है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं के दौरान नियमों का कड़ाई से पालन हो सके और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। हिमांशु को मिली इस चेतावनी के बाद यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि ऐसे मामलों में लोग कैसे सतर्कता बरतते हैं।

निर्जला एकादशी पर जयसिंह श्यामजी के फुला का श्रंगार,नाव मनोरथ दर्शन में उमड़े श्रद्धालु

♦भारत टाइम्स♦

आमेट विद्याधर वैष्णव। नगर के आराध्य देव भगवान श्री जयसिंह श्यामजी के मन्दिर प्रांगण में मंगलवार रात्री को निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर पुजारी रोशन लाल शर्मा द्वारा भगवान श्री जयसिंह श्यामजी को फुलो का विशेष श्रंगार धराया गया।वही भक्तजनों द्वारा मन्दिर प्रांगण में बनाये गए विशेष कृतिम सरोवर में सुंगधित फूलों से बने इत्र का सरोवर के जल में छिड़काव कर नाव मनोरथ में भगवान के बाल स्वरूप को महाआरती के पश्चात एक सुंदर सी छोटी नाव में बैठाकर भक्तजनों द्वारा अपने हाथों से भगवान को नाव मनोरथ में विहार कराकर भगवान के नाव मनोरथ दर्शन कराए गए।जिसमे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन लाभ लिया।निर्जला एकादशी के अवसर पर पूरे मन्दिर परिसर में रंग बिरेगी रोशनी व फूलों से सजाया गया।आम और खीर का भोग लगाकर प्रसाद को श्रद्धालुओं में वितरण किया गया।इस अवसर पर संत हरिदास जी महाराज आड़ावाडा आश्रण, जयसिंह श्यामजी नवयुवक मंडल के प्रमोद शर्मा, रतन बागवान निकू छिपा, अंकुर महात्मा, प्रकाश सुथार, टिंकू टेलर, हार्दिक शर्मा, पवन, कृष्णा, मोहित शर्मा,किशनलाल छिपा,शान्तिलाल, अर्जुन लाल टेलर,धर्मेश शाकद्वीपिय ,पण्डित नन्दलाल पालीवाल,धर्मेश छिपा लाला सुथार, पृथ्वीराज, भगवतसिह,उदयसिंह सहित नगरवासी उपस्थित थे।

शासकीय हाई स्कूल में मनाया गया प्रवेश उत्सव नवगत बच्चों को पहनाई गई माला

♦भारत टाइम्स♦

महेश मरेठा। शासकीय माध्यमिक स्कूल बरखेड़ा पंथ में मनाया गया प्रवेश उत्सव और नवगत प्राचार्य को का स्वागत किया बालक बालिकाओं को माला पहनाकर स्वागत किया प्रवेश उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया वहीं स्कूल स्टॉप प्राचार्य महोदय के द्वारा स्कूली मैदान में लगाए गए पेड़ पौधे और बालक बालिकाओं को दी गई जिम्मेदारी उनकी देखरेख के लिए उक्त जानकारी देते हुए प्राचार्य ने बताया है कि शासकीय माध्यमिक स्कूल में प्रवेश उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया वह सभी बच्चों को स्कूल में प्रवेश लेने व गांव के बच्चों को स्कूल में आने के लिए प्रेरित किया गया इस अवसर पर सरपंच अभिमन्यु कारपेंटर सचिव भुवानी शंकर बोराना हरिनारायण रत्नवत सहित विद्यालय स्टाफ एवं बच्चे उपस्थित रहे।

टास्क फोर्स की बैठक लेकर कलक्टर ने की अवैध खनन रोकथाम की समीक्षा

अवैध खनन की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करें : जिला कलक्टर

राजसमंद : कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक लेकर समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर डॉ भंवर लाल

♦भारत टाइम्स♦

राजसमंद विद्याधर वैष्णव। जिला कलक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जिला कलक्टर डॉ भंवर लाल और एसपी मनीष त्रिपाठी ने अवैध खनन की रोकथाम के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक लेकर अवैध खनन, निर्गमन, भंडारण पर कार्रवाई की समीक्षा करते हुए दिशा-निर्देश दिए। बैठक में एडीएम नरेश बुनकर, एडिशनल एसपी महेंद्र पारीक, एसएमई अनिल खमेसरा, एमई जिनेश हुमड़, एमई ललित बाछरा, सभी उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, सहायक कलक्टर नाथद्वारा, डीटीओ डॉ कल्पना शर्मा, एएमई आमेट, एएमई राजसमंद आदि उपस्थित रहे। एसपी मनीष त्रिपाठी ने कहा कि अवैध खनन पर रोकथाम के लिए पुलिस विभाग द्वारा हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। कलक्टर ने अवैध खनन को रोकने के लिए सख्त निगरानी और निरीक्षण के निर्देश दिए। इसके लिए नियमित रूप से निरीक्षण दल गठित कर संदिग्ध क्षेत्रों में औचक निरीक्षण कर खनन गतिविधियों की विस्तृत जांच और अवैध खनन पाए जाने पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। कलक्टर ने अवैध खनन को लेकर अब तक हुई कार्रवाई पर प्रेजेंटेशन देखा। जिन क्षेत्रों में अवैध खनन पर कम कार्रवाई हुई है, वहाँ के अधिकारियों को अधिक सतर्क रहने और कार्रवाई बढ़ाने के निर्देश दिए। कलक्टर ने अवैध खनन की रोकथाम के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और सहयोग पर जोर दिया। उन्होंने खान एवं भू विज्ञान विभाग, पुलिस विभाग, वन विभाग, परिवहन और अन्य संबंधित विभागों को समन्वय से कार्य करते हुए संयुक्त कार्ययोजना तैयार कर अवैध खनन पर प्रभावी ढंग से रोक लगाने के निर्देश दिए। कलक्टर ने कहा कि अवैध खनन की घटनाओं की रिपोर्टिंग और निगरानी के लिए एक मजबूत तंत्र विकसित करें और सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई करें।

बच्चे गिली मिट्टी का रूप है आप चाहे जिस रूप में उनको बना सकते हो यह शिक्षकों का कर्तव्य है -उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा

♦भारत टाइम्स♦

महेश मरेठा। पूरे मध्य प्रदेश में स्कूल चले हम अभियान का कार्यक्रम चल रहा है इसी के अंतर्गत मल्हारगढ़ सीएम राइज स्कूल में भी प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने वैदिक मंदसौर उच्चारण के साथ कन्या पूजन किया और नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का स्वागत कर पुस्तकें वितरण की भागवत आचार्यपंडित दशरथ भाई ने वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ पूजा अर्चना संपन्न कराई इस अवसर पर श्री देवडा ने कहा कि बच्चे गीली मिट्टी का रूप है और उनको किस तरह से ढालना है बनाना है यह परिवार जनों और शिक्षकों का दायित्व बनता है सरकार ने बच्चों को पढ़ने के लिए सारी व्यवस्थाएं कर दी है विद्यालय में शिक्षकों की कमी नहीं आने दी जाएगी शिक्षकों की पूरी व्यवस्था करेंगे देश के प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन जी यादव ने बच्चों के भविष्य की चिंता की है और प्रदेश में 35 35 करोड रुपए के सीएम राइज स्कूल दिए हैं इन स्कूलों में 2000 बच्चों के पढ़ने की सुविधा है ताकि हमारे बच्चे पढ लिखकर देश का नाम रोशन करें और देश को आगे बढ़ाएं इस* अवसर पर श्री देवडा ने कहा कि हमें अपने गांव पर गर्व होना चाहिए कि यह मेरा गांव है मेरा प्रदेश है मेरा देश इसकी एक-एक गली में सफाई होनी चाहिए स्वच्छता होना चाहिए तभी हम प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत कै सपने को पूरा कर सकेंगे श्री देवडा ने कहा कि पूरे प्रदेश में सड़कों का जाल बिछा हुआ है और जो भी सड़के बनना बाकी रह गई है उसको भी हम शीघ्र ही पूरी करेंगे और वहां पर भी सड़क बनाएंगे श्री देवडा ने कहा कि बहुत शीघ्र ही गांधी सागर का पानी हमारे खेतों में पहुंच जाएगा काम शीघ्रता से चल रहा है अस्पतालों में डॉक्टरों की पूरी व्यवस्था की जाएगी श्री देवडा ने कहा कि इस विद्यालय में बच्चे पढ़कर अपने देश गांव का नाम रोशन करें और देश को आगे बढ़ाएं इस अवसर पर जिला भाजपा महामंत्री पंडित राजेश दीक्षित ने कहा कि उप मुख्यमंत्री जगदीश जी देवड़ा के प्रयासों से मल्हारगढ़ विधानसभा में 35,35 ,करोड रुपए के चार सीएम राइज विद्यालय खुले हैं और 225 सड़के बनाई गई है इसके अलावा पिपलिया सोलंकी से जोगनी तक और चंगेरी से खेर खेड़ा तक सड़क और मल्हारगढ़ बस स्टैंड पर खाटू श्याम मंदिर का तोरण द्वार बनाने की मांग की जिस पर श्री देवडा ने सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष जितेंद्र जाट ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया इस अवसर पर जनपद पंचायत उपाध्यक्ष मदनलाल धनगर श्रीमती कविता नागदा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दास बैरागी विधायक प्रतिनिधि रमेश चंद्र विजयवर्गी धर्मेंद्र गहलोत शांति लालजी शर्मा पूरा पिपलिया भाजपा मंडल अध्यक्ष सामंत सिंह शक्तावत मल्हारगढ़ मंडल अध्यक्ष जितेंद्र जाट जनपद अध्यक्ष पुष्पबाई कन्हैयालाल पाटीदार नगर परिषद अध्यक्ष शर्मिला प्रकाश कच्छावा विजयलक्ष्मी हरिकृष्ण बटवाल सहित अनेक कार्यकर्ता मंचासीन थे कार्यक्रम में जिलाधीश श्री दिलीप कुमार यादव जिला पंचायत सीईओ श्री सत्यम एसडीम श्री राहुल चौहान तहसीलदार बृजेश मालवीय प्राचार्य अशोक जी वाघेला शीशिर विजयवर्गीय कानूनगो मैडम विजयवर्गी मैडम सहित अनेक कर्मचारी और अधिकारियों ने उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश जी देवड़ा का स्वागत किया इस अवसर पर श्री देवडा ने पौधारोपण भी किया और बच्चों के साथ क्लास में जाकर पढ़ाई संबंधी जानकारी दी कार्यक्रम का संचालन अर्जुन परिहार ने किया और आभार विकासखंड शिक्षा अधिकारी बी एल चौहान ने माना।

खिड़िया का नवोदय विद्यालय में पुस्तकालयाध्यक्ष के पद पर चयन होने पर खुशी जताई एवं बधाई दी

♦भारत टाइम्स♦

बांजाकुड़ी (रजत टाक)। निकटवर्ती गांव खराडी के मणिराज सिंह खिड़िया का नवोदय विद्यालय में पुस्तकालयाध्यक्ष के पद पर चयन होने पर खराडी मोगडा एवं कूपडावास रायपुरीया में चारण समाज में खुशी है एवं सामाजिक लोगों ने खिडीया को बधाई दी एवं खुशी जाहिर की है चारण समाज के माधवेंद्र सिंह देवल एवं सुधांशु देवल ने बताया कि खिड़िया की प्रथम नियुक्ति जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में सूरन कोट स्थित नवोदय विद्यालय में मिली है मणिराज ने अपनी सफलता का श्रेय करणी माता एवं अपने माता-पिता व गुरुजनो को दिया मणिराज सिंह के पिता करणी दान चारण वरिष्ठ शारिरिक अनुदेशक शिक्षक है मणिराज सिंह खिडीया को वासुदेव देवल दिनेश देवल महेंद्र सिंह देवल देवी सिंह देवल संजय देवल हडवत आढा भागीरथ आढा नरेंद्र आढा पुलिस उप अधीक्षक पुष्पेंद्र आढा अशोक देवल अभिषेक देवल अर्जुन सिंह चारण लाणेरा पारसदान चारण बड़ी खुर्द शिमभू दान बाबूदान शिक्षा विद चालक दान खिडीया भेरुसिह खिडीया रमेश खिडीया जन कवि कैलाश दान हनुमान सिंह खिडीया रेवत दान खिडीया ललित खिडीया खराड़ी सरपंच रतन कंवर पूर्व सरपंच ललिता कंवर ने भी बधाई दी।

नवचयनितआईएएस सानिया का पैतृक गांव अटबडा पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत

♦भारत टाइम्स♦

बिलाड़ा। पाली जिले के अटबडा गांव की मूल निवासी सुश्री सानिया सीरवी पुत्री गोपाल कृष्ण सयुक्त रजिस्टार सुपौत्री शेराराम पूर्व संरपच का इस वर्ष आईएएस परीक्षा में 171 वीं रैंक के साथ चयनित होने पर गांव अटबडा में सीरवी समाज के द्वारा अभिनंदन किया गया। इस सामोरह में सानिया सीरवी ने बताया कि संकारात्मक सोच एवं कठिन मेहनत से सफलता हासिल की जा सकती है। इस भव्य आयोजित समारोह में समाज एवं नवयुवक मण्डल अटबडा द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर सानिया के नाना पूर्व आईजी एवं मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष पुखराज सीरवी, कोटवाल, जमादारी, पंचगण एवं समस्त सीरवी नवयुवक मण्डल एवं अध्यक्ष बाबूलाल आगलेचा एवं बिलाड़ा परगना समिति के अध्यक्ष अशोक परिहार, सोजत परगना समिति के अध्यक्ष भंवरलाल सेंणचा, सोजत पूर्व के भीकाराम पूर्व उप जिला प्रमुख कोतवाल मोहनलाल जिम्मेदारी जीवाराम, किसान नेता शैतान सिंह, मंच संचालन रामलाल गहलोत, सोजत प्रधान धोबी देवी एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित थे।

सिकल सेल एनीमिया जागरूकता के लिये निकाली रैली, हुई कार्यशाला विश्व सिकल सेल दिवस पर जिले भर में हुई गतिविधियां

♦भारत टाइम्स♦

राजसमंद विद्याधर वैष्णव। विश्व सिकल सेल दिवस पर जागरूकता के लिये चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिलेभर में जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिला स्तर पर जिला परिषद् सीईओ हनुमान सिंह राठौड़ ने आर.के जिला चिकित्सालय से जागरूकता रैली को हरी झंडी बताकर रवाना किया। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ हेमन्त कुमार बिन्दल, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ रमेश रजक, नर्सिंग अधिकारी प्रकाश वैष्णव, नानालाल कुमावत, एएनएमटीसी के प्रधानाचार्य अशोक पुरोहित उपस्थित थे।सीएमएचओ डॉ हेमन्त कुमार बिन्दल ने इससे पूर्व सिकल सेल एनीमिया के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सिकल सेल रोग वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ता हुआ देखा जा रहा है, ये रक्त को प्रभावित करने वाली बीमारी है। इस रोग के कारण रक्त कोशिकाओं के भीतर हीमोग्लोबिन का स्तर प्रभावित होने लगता है। सिकल सेल रोग सबसे आम वंशानुगत रक्त विकार है। रक्त वाहिकाओं में हीमोग्लोबिन की मात्रा महत्वपूर्ण है, इसी के माध्यम से पूरे शरीर में ऑक्सीजन का संचार होता है। लोगो को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 19 जून सिकल सेल जागरूकता दिवस का आयोजन किया जाता है।उन्होंने बताया कि सिकल सेल पीढ़ी दर पीढ़ी फैलने वाली एक लाइलाज बीमारी है। भारत में यह अनुसुचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़े वर्ग में यह बीमारी मुख्यतः पाई जाती है। सिकल सेल रोग के मुख्य लक्षण तीव्र पीड़ा, पिली आंखे एवं शरीर, बार - बार बुखार आना, हाथ पैरो में सुजन, जल्दी थकान होना, खून में हीमोग्लोबिन की मात्रा कम होना है रैली में नर्सिंग छात्र - छात्रा, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षणार्थी शामिल थे। रैली ने सिकल सेल मुक्त राजस्थान के नारे लगाते हुए हाउसिंग बोर्ड , धोईन्दा एवं रीको एरिया में भ्रमण किया तथा आमजन में जागरूकता पैदा की गई। महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण संस्थान पर हुई कार्यशाला जिला मुख्यालय पर स्थित महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण संस्थान में सिकल सेल जागरूकता को लेकर कार्यशाला को आयोजन किया गया। जिसमें शिशु रोग विशेषज्ञ सारांश सबल ने रोग के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यह रोग मुख्यतया महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गुजरात, ऑडिसा, केरल, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ एवं राजस्थान के आदिवासी अंचल उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपूर, प्रतापगढ़ में व्यापक है। उन्होंने बताया कि देश में राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मुलन मिशन 2047 की शुरूआत की गई है जिसमें वर्ष 2047 तक समुचे भारत को सिकल सेल मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने इसके लिये प्रभावित क्षेत्रो का चयन कर, वहां की जा रही विभागीय गतिविधियों के बारें में जानकारी दी। इस अवसर पर एएनएमटीसी के प्रधानाचार्य, प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।सीएमएचओ डॉ हेमन्त कुमार बिन्दल ने बताया कि सिकल सेल दिवस पर चिन्हीत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो एवं ग्राम पंचायत पर सिकल सैल स्क्रीनिंग की गई तथा जागरूकता कार्यक्रमो का आयोजन किया गया।

प्रकृति और गौ माता की सेवा से सुधर जाएगा जीवन:प्रभु राम सिरवी

♦भारत टाइम्स♦

बांजाकुड़ी (रजत टाक)। बांजाकुड़ी के निकटवर्ती ठाकरवास गांव में बुधवार को नवदुर्गा गौशाला में बैठक आयोजित की गई बैठक मे गौशाला समिति के पदाधिकारी और ग्रामीणों ने गौ माता की छाया के लिए नीव का प्रस्ताव पारित कर विशेष पूजा अर्चना के साथ नीव का मुहूर्त किया गया समिति द्वारा प्रस्ताव में गौशाला में चार दवारी, पानी की सुचारू व्यवस्था, पीने पानी के लिए बड़ा टांका निर्माण किया जाएगा वही आगामी मानसून को लेकर गौशाला के चारों ओर वृक्षारोपण किया जाएगा इसी अवसर पर प्रभु राम श्री ने बताया कि अगर धन का सदुपयोग हो तो दानदाताओं की कमी नहीं है,हम आने वाले समय में गौशाला में विकास कार्य करते रहेंगे और प्राकृतिक को भी सुंदर रूप देंगे हमारा जीवन गौ माता की सेवा के लिए लगा देंगे इसी मौके पर हिरालाल सीरवी, लिकमाराम काग, भीकाराम सानपुरा, अचलाराम जवरीलाल सरगरा, मांगी लाल चोकिदार, शंकर जी देवासी, घेवर चंद तिवाड़ी,मुनालाल ठेकेदार, ढगलाराम चौधरी, ओमप्रकाश माली, मोहनलाल प्रजापत सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अमरखजी महादेव पर प्रथम पाटोत्सव श्रद्धालुओं द्वारा धूम धाम से मनाया गया

♦भारत टाइम्स♦

उदयपुर। उदयपुर के समीप शिव धाम अमरखजी महादेव पर प्रथम पाटोत्सव श्रद्धालुओं द्वारा धूम धाम से मनाया गया। उल्लेखनीय है कि एक वर्ष पूर्व मंदिर पर ध्वज दण्ड एवं कलश स्थापन जगद्गुरु शंकराचार्य के पावन सान्निध्य में वैदिक विधि विधान द्वारा स्थानीय पंडितों एवं संत सन्निधि में सुसम्पादित हुआ था। आयोजन की पूर्व संध्या पर परिसर में भजन कीर्तन करते हुए श्रद्धालुओं ने भक्ति रस का पूर्ण आनन्द लिया। तड़के 5.30 पर आचार्य द्वारा मंगलाचरण एवं रुद्राभिषेक पश्चात हवनात्मक अनुष्ठान हुआ जिसकी पूणार्हुति 9.15 पर नवीन ध्वजा रोहण के साथ संपन्न हुई। अमरखजी संरक्षण म ?डल के तत्वावधान में आयोजित इस पुण्यशाली अवसर पर आयोजित सत्संग - संवाद में बोलते हुए जे आर नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल शिव सिंह सारंगदेवोत ने गुरुकुल परम्परा की आवश्यकता पर जोर दिया और समाज के उत्थान के लिए इस ओर हर संभव प्रयास का आश्वासन दिया। संरक्षण मण्डल, शान्तिपीठ के प्रमुख अनन्त गणेश त्रिवेदी ने कहा कि अमरखजी एक दिव्य विरासत है जिसका संरक्षण कड़े संघर्ष के बाद इस उत्कर्ष पर पहुंच कर रोल मॉडल के रूप में प्रस्तुत हुआ है। उत्तर दिशा में स्थित मंदिर का जिर्णोद्धार नगर के समुन्नत विकास और शान्ति का द्योतक है। राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष रामचन्द्र सिंह झाला ने दिव्य विरासतों को प्रकृति प्रेरणा के स्त्रोत बताया। अधिवक्ता उमेश चन्द्र ने कहा कि शिव प्रकृति के मूल में है, शिव सायुज्य होना प्रकृति संरक्षण की प्रथम कड़ी है। पूर्व उप प्रधान बंशीलाल कुम्हार, अशोक कुमावत, सापेटिया के पूर्व सरपंच मोहन जोशी, भुवाणा के सरपंच मोहनलाल, कैलाश पालीवाल, डॉ कमल सिंह राठौड़, प्रो एल एन दशोरा, प्रो नरेन्द्रन, दलपत सिंह सोलंकी आदि ने भी विचार व्यक्त किए। कार्य क्रम में आस पास के गांवों के जन प्रतिनिधि , श्रद्धालु, नगर के कई धार्मिक व सामाजिक संगठनो के प्रतिनिधि, कवी एवं साहित्यकार उपस्थित थे।नवीन ध्वजा रोहण धराने के उपरांत महा आरती एवं प्रसाद का आयोजन हुआ जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में महाप्रसाद का आनंद लिया।

नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान

जम्मू-कश्मीर के सुरक्षा-हालात पर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने जो शीर्ष बैठकें की हैं, वे बेमानी नहीं हैं, लेकिन उन्हीं से पाकपरस्त आतंकवाद को कुचला और जड़ से उखाड़ा नहीं जा सकता। कश्मीर घाटी और अन्य राज्यों में सक्रिय आतंकवाद या उग्रवाद के उदाहरण हमारे सामने हैं। सेना, सुरक्षा बलों, पुलिस और स्थानीय गुप्तचरों के साझा ऑपरेशन कई साल तक चलाने पड़े, तो आज घाटी लगभग आतंकवाद-मुक्त है।

जम्मू-कश्मीर में बीते तीन दिन में एक के बाद एक आतंकी घटनाओं ने सीमा पार से हो रही घुसपैठ के खतरों की ओर फिर से आगाह किया है। आगामी दिनों में विधानसभा चुनावों की तैयारी के बीच ये आतंकी हमले बताते हैं कि आतंकी संगठन जम्मू-कश्मीर में आम लोगों में खौफ पैदा करने में जुटे हैं। डोडा में आतंककारियों ने सेना की चैकी पर हमला कर दिया। यह कठुआ में आतंकियों की गोलीबारी में एक जने की मौत और दो अन्य के घायल होने के कुछ घंटों बाद ही हुआ। वहीं तीन दिन पहले ही आतंककारियों ने तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर कायराना हमला किया था। करीब छह साल से लोकतांत्रिक सरकार का इंतजार कर रहे कश्मीर में लोकसभा चुनावों के दौरान मतदाताओं ने जिस तरह का उत्साह दिखाया, उससे भी आतंकी संगठन और उनके आका बौखलाए हुए हैं। अचानक आतंकी हमले बढने के मद्देनजर कुछ सवाल सटीक और गंभीर हैं। क्या पाक परस्त आतंकवाद कश्मीर घाटी से जम्मू के राजौरी, पुंछ, डोडा आदि क्षेत्रों में शिफ्ट हो गया है? क्या वहां के घने जंगल आतंकियों की पनाहगाह हैं और वहां की पर्याप्त खुफिया सूचनाएं नहीं मिल पा रही हैं? क्या भारत में तीसरी बार मोदी सरकार बनने से पाकिस्तान, खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकवादी गुट बौखलाहट में हैं?

जम्मू-कश्मीर के सुरक्षा-हालात पर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने जो शीर्ष बैठकें की हैं, वे बेमानी नहीं हैं, लेकिन उन्हीं से पाकपरस्त आतंकवाद को कुचला और जड़ से उखाड़ा नहीं जा सकता। कश्मीर घाटी और अन्य राज्यों में सक्रिय आतंकवाद या उग्रवाद के उदाहरण हमारे सामने हैं। सेना, सुरक्षा बलों, पुलिस और स्थानीय गुप्तचरों के साझा ऑपरेशन कई साल तक चलाने पड़े, तो आज घाटी लगभग आतंकवाद-मुक्त है। हम इन बैठकों को खारिज नहीं करते, क्योंकि कई विचार सामने आकर साझा किए जा सकते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय सीमा, नियंत्रण-रेखा से जम्मू-कश्मीर की जमीन तक जो सेना सक्रिय रही है, उसके समानांतर सुरक्षा-बल तैनात और सक्रिय रहे हैं। स्थानीय सूचनाओं और गतिविधियों की सूत्रधार स्थानीय पुलिस रही है। ऐसी तमाम एजेंसियों को एक सर्कुलर के जरिए निर्देश और आदेश दिए जा सकते थे। उपराज्यपाल के जरिए केंद्र सरकार अपना आदेश दे सकती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में पाकिस्तान की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया था, लेकिन वर्ष 2016 में उड़ी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और वर्ष 2019 को पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान के भीतरी इलाकों में हवाई हमले की अनुमति देकर प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कर दिया कि वार्ता और आतंकवाद साथ-साथ नहीं चल सकते। सिर्फ यही नहीं, पाकिस्तान के साथ व्यापार को भी बंद किया गया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान को अलग-थलग कर दिया गया। सऊदी अरब समेत लगभग सभी खाड़ी देश पाकिस्तान के बजाय भारत को प्राथमिकता देने लगे। इससे हताश पाकिस्तानी सेना और उसकी खुफिया एजेंसी आइएसआइ ने कश्मीर को अशांत बनाए रखने के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन अनुच्छेद 370 हटने के बाद हालात बेहतर होते चले गए। आतंकियों पर सुरक्षाबलों का शिकंजा भी कसता गया। इससे बौखलाए पाकिस्तान ने पहले जम्मू संभाग के सीमावर्ती पुंछ और राजौरी जिलों में कई बड़े हमले किए और अब तीसरी बार भी मोदी सरकार बनते देख पाकिस्तान परस्त आतंकियों ने जम्मू के रियासी, कठुआ और डोडा में हमलों को अंजाम दिया।

जम्मू संभाग के राजौरी, पुंछ, कठुआ, डोडा से किश्तवाड़ तक आईबी गुप्तचर की सूचनाएं इतनी सटीक नहीं हो सकतीं, जितनी एक स्थानीय जासूस की गुप्तचरी सटीक हो सकती है और लक्ष्य तक पहुंचना आसान हो सकता है। जम्मू में खुफिया-तंत्र की कमियां अब भी महसूस की जा रही हैं। वैसे जम्मू संभाग में आतंकी हरकतें अचानक नहीं बढ़ी हैं। ये आतंकियों की रणनीति हो सकती हैं। अलबत्ता 1990-2005 के सालों में जम्मू के घने जंगलात में आतंकी गतिविधियां और हमले निरंतर देखने को मिलते रहे। यह दीगर है कि घुसपैठ, गिरोहबाजी, अलगाववाद और पाक परस्त आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन और अभियान कश्मीर घाटी में ज्यादा किए जाते रहे। तब जम्मू को आतंकवाद-मुक्त करा लिया गया था।

अब नए सिरे से आतंकियों ने अपने नेटवर्क जम्मू में फैलाए हैं और अचानक हमले बढ़ा दिए गए हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद नगण्य है। फिर भी 2024 में अभी तक 20 आतंकी हमले किए जा चुके हैं और 13 जून तक 42 नागरिकों और जवानों ने अपनी जिंदगी खोई है। भारत ऐसा नुकसान भी क्यों झेले? बहरहाल केंद्र सरकार से जो निर्देश मिले हैं, उनके मद्देनजर जम्मू-कश्मीर पुलिस महानिदेशक स्वैन का दावा है कि अब बचे-खुचे आतंकवाद को कुचल दिया जाएगा, मसल दिया जाएगा, घर-घर ढूंढ कर चुन-चुन कर मौत के घाट उतार दिया जाएगा।

आतंकियों को सीमा पार से मिल रही मदद का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इन दिनों सुरक्षाबलों को मुठभेड़ में मारे गए आतंकी के पास बड़ी संख्या गोला-बारूद, पाकिस्तान में बनी चॉकलेट और दवाइयां बरामद हुए हैं। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि घुसपैठ कर हमारी सीमा में घुस आए आतंकियों के स्थानीय मददगार भी कम नहीं हैं। हमारे जवानों की शहादत भी इसलिए हो जाती है क्योंकि आतंकियों के इन मददगारों की कमर अभी पूरी तरह टूटी नहीं है। अमरनाथ यात्रा और संभावित विधानसभा चुनावों को देखते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

वहीं इन हमलों का चिंताजनक पहलू यह है कि अब तक आतंकी घटनाओं का केंद्र दक्षिण कश्मीर आदि इलाके होते थे, अब की बार ये हमले जम्मू क्षेत्र में हुए हैं। जम्मू के इलाके में आतंकी घटनाओं में वृद्धि शासन-प्रशासन के लिए गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इन हमलों में पाकिस्तान की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि बीते 9 जून को हुए हमले की जिम्मेदारी जहां लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी गुट टीआरएफ ने ली तो डोडा में हुए हमले की जिम्मेदारी पाक पोषित जैश-ए-मोहम्मद के एक गुट कश्मीर टाइगर्स नामक आतंकी संगठन ने ली है। बहरहाल, भारतीय सेना व सुरक्षा बल आतंकवादियों को भरपूर जवाब दे रहे हैं। लेकिन इस माह के अंत में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा का निर्बाध आयोजन सुरक्षा बलों के लिये बड़ी चुनौती होगी। जिसको लेकर विशेष चौकसी बरतने की जरूरत है।

बहरहाल हमारी सुरक्षा एजेंसियों और जवानों की अग्निपरीक्षा ह्यअमरनाथ यात्राह्ण है। यह 29 जून से शुरू हो रही है और अगले ही दिन जनरल उपेन्द्र द्विवेदी नए सेना प्रमुख का कार्यभार संभाल रहे हैं। वह कश्मीर और आतंकवाद से अनभिज्ञ, अपरिचित नहीं हैं। अमरनाथ यात्रा अगस्त तक जारी रहेगी। आतंकी हमला करने की फिराक में होंगे और हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने फुलप्रूफ योजना बनाई होगी। यात्रा के चप्पे-चप्पे पर 500 कंपनियों के जवान तैनात किए जा रहे हैं। खुफिया सूचनाओं पर तुरंत कार्यवाही की जा रही है। खासकर टीआरएफ आतंकी संगठन के साथ-साथ लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मुहम्मद के दहशतगर्दों पर भी निगाहें चिपकी रहेंगी। इस बार प्रशासन ने प्रत्येक तीर्थयात्री का 5 लाख रुपए का बीमा भी किया है।

जम्मू-कश्मीर और आतंकवाद के संदर्भ में हमारे उन अनुभवी जनरलों की सोच कुछ भिन्न है, जो दशकों तक कश्मीर में कार्यरत रहे हैं और आतंकियों को ढेर किया है। वे जनरल हालिया आतंकी हमलों से क्षुब्ध हैं, क्योंकि आतंकियों ने उस दिन हमला करके भारत के गाल पर तमाचा मारा था, जब देश की सरकार शपथ ले रही थी। अब ऐसे रक्षा विशेषज्ञों की राय है कि पाकिस्तान के साथ जो युद्ध विराम किया हुआ है, तुरंत उस समझौते को रद्द किया जाए। यह युद्धविराम एकतरफा और बेमानी है, क्योंकि पाकिस्तान आतंकियों की घुसपैठ कराता रहा है। आतंकियों को हथियार भी मुहैया कराता है। पाकिस्तान फिलहाल फटीचर देश की स्थिति में है। उसकी फौज पर निरंतर हमले करेंगे, तो उसकी फौज ही विकलांग हो जाएगी। वह पलटवार करने लायक भी नहीं रहेगी।

मणिपुर का दर्द! एक साल में नहीं उठाया गया खास कदम

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भी कुछ दिनों पहले सरकार की कड़े शब्दों में निंदा की। शायद उसी का असर हो कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मणिपुर की सुरक्षा को लेकर फिक्र जताई है। मणिपुर मामले पर गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा बलों के साथ बैठक की। मणिपुर में शांति बहाली को लेकर अब केंद्र सरकार कुछ गंभीर नजर आई है। गृहमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में वहां सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाने, हिंसा करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने और जल्दी ही मैतेई और कुकी समुदाय के लोगों के साथ बातचीत करने का फैसला किया गया। एक वर्ष से ऊपर हो गया वहां हिंसा होते, मगर न तो केंद्र और न राज्य सरकार ने कोई उल्लेखनीय कदम उठाया। इसे लेकर लगातार दोनों सरकारों पर अंगुलियां उठती रही हैं। पिछले वर्ष मई में जब वहां हिंसा भड़की, तब सेना की गश्ती बढ़ा दी गई थी। इसका नतीजा यह हुआ कि हिंसा पर एकदम से काबू पा लिया गया था। मगर फिर महीने भर के भीतर ही फिर से हिंसा भड़क उठी थी। उसके बाद उस पर काबू पाने का कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया। उपद्रवियों ने पुलिस शस्त्रागार से बड़े पैमाने पर हथियार लूट लिए, दोनों समुदाय घात लगा कर एक-दूसरे पर हमले करने लगे थे। उस दौरान केंद्रीय गृहमंत्री ने वहां का दौरा किया था। तब भी उन्होंने हिंसा करने वालों को कड़ी चेतावनी दी थी, लूटे गए हथियार वापस करने का आह्वान किया था, मगर उसका कोई खास असर नहीं हुआ। बेटियों के नाम पर झूठा सम्मान, धर्म और जाति बन रही जान की दुश्मन तब से जैसे वहां के लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। राज्य सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी रही और केंद्र सरकार ने कोई कड़ाई नहीं दिखाई। इसका नतीजा यह हुआ कि बहुत सारे घर जला दिए गए, पूजा स्थलों को ध्वस्त कर दिया गया, साठ हजार से ऊपर लोग अपने घरों से विस्थापित होकर राहत शिविरों में रह रहे हैं, दो सौ से ऊपर लोग मारे जा चुके हैं, कई महिलाओं से सामूहिक बलात्कार किया गया, कुछ को निर्वस्त्र घुमाया गया। इन सबके बावजूद सरकारें तमाशबीन बनी रहीं। प्रधानमंत्री पर आरोप है कि वे आज तक मणिपुर पर कुछ नहीं बोले। इस स्थिति में सर्वोच्च न्यायालय ने संज्ञान लेते हुए अपनी निगरानी में जांच समिति गठित की और राज्य पुलिस को कड़ी चेतावनी दी। मगर उसका भी कोई उल्लेखनीय नतीजा नहीं निकल पाया है। अभी स्थिति यह है कि इंफल से ऊपर के पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदाय के लोग खुद अपनी सुरक्षा चौकियां बना कर पहरेदारी करते हैं। राहत शिविरों में रह रहे लोगों को न तो ढंग का भोजन मिल पाता है, न पीने का पानी, न स्वास्थ्य सुविधाएं। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई सब कुछ बाधित है। इस तरह एक पूरे राज्य के लोगों को उनके हाल पर छोड़ देना किसी भी कल्याणकारी सरकार की जवाबदेही पर स्वाभाविक ही सवाल खड़े करता है। इसे लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भी कुछ दिनों पहले सरकार की कड़े शब्दों में निंदा की। शायद उसी का असर हो कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मणिपुर की सुरक्षा को लेकर फिक्र जताई है। लोकसभा चुनाव में मणिपुर के हालात की अनदेखी के नतीजे भी सामने हैं। विपक्ष उसे लेकर लगातार सत्तापक्ष को घेरता रहा है। नई सरकार में अब विपक्ष इसे और मजबूती के साथ उठाता, इसलिए भी संसद का सत्र शुरू होने से पहले सरकार ने मणिपुर पर बैठक बुलाई और कड़ाई से पेश आने का आश्वासन दिया। देखने की बात होगी कि मणिपुर को लेकर केंद्र सरकार कितनी गंभीर है, गृहमंत्रालय की बैठक में किए गए फैसले केवल घोषणा तक सीमित रहते हैं या वास्तव में उन पर गंभीरता से अमल भी किया जाता है।

संपादकीय

बेटियों के नाम पर झूठा सम्मान, धर्म और जाति बन रही जान की दुश्मन

देश के अलग-अलग इलाकों से अक्सर ऐसी घटनाएं सामने आती रहती हैं, जिनमें किसी प्रेमी जोड़े को उनके परिवार वालों ने ही मार डाला, क्योंकि लड़की और लड़के की जाति या धर्म अलग था। आज जब दुनिया भर में लोग अपने पूर्वाग्रहों और दुराग्रहों को छोड़ कर सामाजिक-आर्थिक विकास की नई राह पर निकल रहे हैं, उसमें ऐसी खबरें दुखद लगती हैं कि किसी पिता ने सिर्फ इसलिए अपनी बेटी की जान ले ली कि उसने किसी अन्य जाति के लड़के से प्रेम किया और उससे शादी करना चाहती थी। दिल्ली के प्रेमनगर इलाके में एक व्यक्ति को इस बात पर आपत्ति थी कि उसकी बेटी किसी अन्य जाति के लड़के से विवाह करे। उसने योजनाबद्ध तरीके से बेटी की हत्या कर दी। आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन इस घटना से एक बार फिर यह सवाल उठा है कि देश के विकास के मोर्चे पर सामाजिक मसलों की प्राथमिकता क्या है और उसमें सुधार के लिए क्या किया जा रहा है। झूठे सम्मान के नाम पर की गई हत्या की यह कोई अकेली घटना नहीं है। देश के अलग-अलग इलाकों से अक्सर ऐसी घटनाएं सामने आती रहती हैं, जिनमें किसी प्रेमी जोड़े को उनके परिवार वालों ने ही मार डाला, क्योंकि लड़की और लड़के की जाति या धर्म अलग था। संपादकीय विडंबना है कि बहुत सारे लोग आधुनिकता और तकनीकी विकास के मामले में खुद को मुख्यधारा में शामिल दिखाना चाहते हैं, मगर जाति और धर्म के मसले पर वे एक विचित्र किस्म की संकीर्णता से घिरे रहते हैं। दुनिया की कोई भी संस्कृति प्रेम के विरुद्ध नहीं है और न किसी व्यक्ति को जाति, धर्म या झूठे सम्मान के नाम पर हत्या करने की शिक्षा देती है। मगर अफसोसनाक है कि अनपढ़ से लेकर कई पढ़े-लिखे लोग भी जाति की जड़ता में जकड़े रहते और इस मसले पर कई बार इस हद तक क्रूर हो जाते हैं कि अंतरजातीय प्रेम या विवाह करने वाली अपनी बहन या बेटी की भी हत्या कर डालते हैं। आखिर क्या कारण है कि शिक्षा के प्रसार और तमाम जागरूकता अभियानों में सामाजिक पूर्वाग्रहों को दूर करने के लिए ऐसे उपायों का अभाव दिखता है, जो लोगों को जाति और धर्म की जड़ता से मुक्त कर सकें और मानवीय संवेदना के साथ सामाजिक दायरे के विस्तार को लेकर एक प्रगतिशील सोच का विकास हो!

आस्था...

ग्रहों के राजकुमार बुध और धन के दाता शुक्र होने जा रहे उदय, इन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन

वैदिक ज्योतिष अनुसार जून के अंत में बुध और शुक्र ग्रह उदित होने जा रहे हैं, जिससे कुछ राशियों की धन- दौलत में बढ़ोतरी हो सकती है...वैदिक ज्योतिष अनुसार ग्रह समय-समय पर उदय और अस्त होते हैं, जिसका प्रभाव मानव जीवन और देश- दुनिया पर देखने को मिलता है। आपको बता दें कि 23 जून को वाणी और व्यापार के दाता बुध ग्रह अपनी स्वराशि मिथुन में उदित होने जा रहे हैं। तो वहीं 28 जून को धन और वैभव के दाता शुक्र ग्रह मिथुन राशि में ही उदित होंगे। ऐसे में इन दोनों ग्रहों के उदित होने का प्रभाव सभी राशियों के जातकों पर देखने को मिलेगा। लेकिन 3 राशियां ऐसी हैं, जिनकी इस समय किस्मत चमक सकती हैं। आइए जानते हैं ये लकी राशियां कौन सी हैं जुलाई में 2 बार शुक्र देव करेंगे राशि परिवर्तन, इन राशियों की चमकेगी किस्मत, नई नौकरी के साथ होगा अपार धनलाभ मिथुन राशि आप लोगों के लिए बुध और शुक्र ग्रह का उदित होना लाभकारी साबित हो सकता है। क्योंकि यह दोनों ग्रह आपकी राशि से लग्न भाव पर उदय होंगे। इसलिए इस दौरान आपके आत्मविश्वास में वृद्धि देखने को मिलेगी। साथ ही आपकी बातें पहले से अधिक मधुर और प्रभावशाली होंगी। काम धंधा करने वाले लोगों के लिए बुध और शुक्र ग्रह का उदित होना बहुत ही शुभ परिणाम देने वाला माना जा रहा है। वहीं इस समय शादीशुदा लोगों का वैवाहिक जीवन खुशनुमा रहेगा। साथ ही आप अपनी जीवनशैली में बदलाव लाने का प्रयास करें तो आपकी सेहत अच्छी होगी। अविवाहितों को अपने जीवन में नए साथी मिलने की संभावना है। वहीं पार्टनरशिप के काम में लाभ होगा। वृष राशि बुध और शुक्र ग्रह का उदित होना वृष राशि के जातकों को शुभ फलदायी सिद्ध हो सकता है। क्योंकि यह दोनों ग्रह आपकी राशि से धन और वाणी भाव पर उदय होने जा रहे हैं। इसलिए इस दौरान आपको आकस्मिक धनलाभ की प्राप्ति होगी। साथ ही आप जो भी नया कार्य करेंगे उसमें आपको सफलता मिलने की भरपूर संभावना है। वहीं इस समय आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। जिससे लोग इंप्रेस होंगे। वहीं इस अवधि में व्यापारियों को उधार धन वापस मिलेगा। साथ ही ह अवधि नई जिम्मेदारियां लेने, योग्य पदोन्नति प्राप्त करने या नया करियर शुरू करने के अवसर खोल सकती है। सिंह राशि आप लोगों के लिए बुध और शुक्र ग्रह का उदित होना शुभ फलदायी सिद्ध हो सकता है। क्योंकि यह दोनों ग्रह आपकी राशि से इनकम भाव पर उदित होने जा रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष: चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ।

मेष: युगलों के बीच की गलतफहमियां अपने आप दूर होकर शांतिपूर्ण संबंध लौटेंगे। आपके लिए लंबी यात्रा के योग हो सकते हैं। इस यात्रा से आपको कुछ समय के लिए अपने परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। नए उपक्रम की योजना बना रहे व्यापारियों को चाहिए कि आज काम का शुभारंभ अवश्य करें और इस दिशा में फैसले की ओर कदम उठाये। जमीन-जायदाद के जुड़े कारोबारियों के लिए आज दिन अनुकूल रहेगा। आज काम की बहुत व्यस्तता रहेगी। समझदारी पूर्ण व्यवहार से शिक्षक विद्यार्थियों की समस्याओं का हल निकाल लेंगे।

वृषभ : उ, ई, ऐ, ओ, बा, बी, बे, बो।

वृषभ: विवाहित युगल आज अत्यधिक सामीप्य का अनुभव करेंगे और प्रेम और सद्भावनापूर्ण संबंधों का आनंद लेंगे खोजकताओं का एक समूह आपको उनकी यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर सकता है। यह आपके लिए किसी सपने के पुरे होने जैसा होगा। आप हमेशा से ही पर्यटन के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने के इच्छुक रहे है। खाद्य सामग्री के व्यवसाय में रत उद्योजक आज परियोजना की शुरूआत कर लें या किसी नए संस्थान का अधिग्रहण कर लें, इससे बाजार में उनकी प्रतिष्ठा बहुत बढ़ेगी। जमीन-जायदाद से जुड़े व्यवसायी आज आराम कर सकते हैं।

मिथुन: क, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा।

मिथुन: अविवाहित व्यक्तियों को चाहिए कि अपने मित्रों को पार्टियों और समारोहों में हिस्सा लें, जिससे संभावित प्रेमी से भेंट हो सके। अगर परिवार के साथ बाहर सैर सपाटे पर जाने की योजना बना रहे हैं तो आज दिन अच्छा है। स्वास्थ्य सेवाकर्मी और डॉक्टर आज अपने व्यवसाय के चरम शिखर पर होंगे। राजनेताओं को आज पार्टी सदस्यों के आवश्यक और जरुरी समस्याओं के समाधान के लिए बुलावा आ सकता है। आज आप अच्छी सेहत का मजा लेंगे।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो।

कर्क: आज कामकाज के संबंध में किसी से भेंट हो सकती है जिससे मिलकर आप उसकी ओर आकर्षित हो सकते हैं। परिवार के वयस्क आज बहुत ऊजावान महसूस करेंगे। वे दूसरे सदस्यों के साथ भी मिलजुल कर आनंद मग्न रहेंगे। घर में छोटी-मोटी समस्याएं हो सकती हैं जिसके कारण आपको पहले से तय कोई सैर या घुमने जाने की योजना रद्द करनी पड़ सकती हैं। बेरोजगार आज कुछ नए लोगों से मिलेंगे जो उनकी नियुक्ति में बहुत मददगार साबित हो सकते हैं।

सिंह: मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे।

सिंह: वयस्कों के अनुभव और मार्गदर्शन से घर के सभी सदस्यों को लाभ होगा। बच्चों को अपने बुजुर्गों से व्यवहार करते समय मयार्दा में रहना चाहिए। उनका बचपना वयस्कों को दुखी कर सकता है। विद्यार्थियों के लिए अच्छा दिन है। वे बौद्धिक विषयों पर दोस्तों के साथ पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। जो लोग एक समूह में पढ़ते हैं, उन्हें बहुत फायदा होगा। बच्चों को बाहर सैर के लिए ले जाते समय शिक्षकों को सावधान रहने होगा। छुटपुट दुर्घटनाएं हो सकती हैं। वे सदैव इसके लिए तैयार रहें।

कन्या: टो, पा, पी,पू, ष, ण, ठ, पे, पो।

कन्या: अविवाहितों के पालक उनके लिए योग्य सम्बंध के लिए प्रयत्न करेंगे। कोई अप्रत्याशित व्यावसायिक यात्रा आपके कार्यक्रम को उथल पुथल कर सकती है। लेकिन इस यात्रा के परिणाम आपके लिए फायदेमंद होंगे। अपने मकान निर्माण की योजना बना रहे लोगों के लिए आज शुभ दिन होगा। शेयर बाजार के मधास्था और प्रतिस्पर्धियों को आज अत्यधिक उतार चढाव के प्रति जागरूक रहना होगा। विशेष कर तब जब वे किसी ग्राहक की रकम का निवेश कर रहे हों। राजनेता आम जनता और पार्टी के अन्य वरिष्ठ सदस्यों के बीच बहुत लोकप्रिय होंगे।

तुला: रा, री, रू, रे, ता, ती, तू, ते।

तुला: आज किसी प्रियजन के बारे में दुखद समाचार सुनने मिल सकता हैं, आपकी उपस्थिति और सहायता से उन्हें बहुत सांत्वना मिलेगी यदि आप अविवाहित है तो आज किसी भी नए व्यक्ति से मिलते समय सावधान रहें। धन रखें की हर चमकती सोना नहीं होती। आज आप अपनी यात्रा के दौरान किसी अविस्मरणीय व्यक्ति से मिल सकते हैं। अच्छे और नए काम की तलाश कर रहे डॉक्टरों को आज उच्चाधिकारियों की ओर से सुरक्षित सेवा के लिए बुलाया जा सकता है। शेयर बाजार के निवेशकों को उनकी तर्क शक्ति से बहुत मदद मिलेगी।

वृश्चिक: तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू।

वृश्चिक: एकाकी जन आज किसी से मिलेंगे जो उनके जीवन में नए सकारात्मक बदलाव लाएगा। छात्रों के लिए आज अनुकूल दिन नहीं हैं। वे अपने दोस्तों के साथ बहस कर समय बर्बाद कर सकते हैं। आज खिलाड़ियों को अपने-अपने क्षेत्र में उपलब्धियों के लिए पुरस्कार मिलने की संभावना बताई जाती है। उन्हें आज जीवनगौरव पुरस्कार भी मिल सकता है। कलात्मक अभिरुचि के लोगों के लिए आज का दिन बहुत उच्च-नीच और उद्विग्नता का हो सकता है।

धनु : ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे।

धनु: आज आप अपने पुराने रिश्ते को सुधारने की दिशा में कदम उठाएंगे। ठंडी हवा और शीत पेय आदि से प्रभावित होने वाले बच्चों को इन चीजों से दूर रखें। मौसम के कारण उनका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। जो लोग काम की तलाश में हैं उन्हें संकोच और शर्म छोड़ कर निशंक होकर दूसरों से मदत और सलाह लेनी चाहिए। न्यायिक व्यवसाय से जुड़े लोग आज अपने आसपास बहुत से परिवर्तन देखेंगे। अपितु, उनके कामों के सन्दर्भ में कोई खास बदलाव नहीं होगा। अपने कार्य के सन्दर्भ में मिलने वाले मत के लिए शिक्षकों को मानसिक परिपक्वता का परिचय देकर शालीनता का प्रदर्शन करना होगा।

मकर: भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी।

मकर: उत्सव के माहौल के रूप में परिवारों के लिए एक अच्छा दिन आता है और बहुत खुशीयां लाता है। शिक्षक और विद्यार्थी जो शैक्षणिक यात्रा पर जा रहे हों, उन्हें बहुत सजग रहने की आवश्यकता है। छोटी मोटी दुर्घटनाओं की संभावना है। जंगल, नदी, पहाड़ों से गुजरते समय सावधान रहें। आपकी व्यावसायिक नीतियाँ, कुशलता और योग्यता आपको व्यवसाय क्षेत्र में ख्याति दिलाएगी। आज स्थावर संपत्ति के कारोबार से जुड़े लोगों के लीये अपनी कठिनाइयों पर विजय पाने और अपने कार्यक्षेत्र में अग्रेसर रहने का दिन होगा।

कुंभ: गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा।

कुंभ: अविवाहितों को किसी अनापेक्षित मार्ग से आज विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। बाहर मनोरंजन हेतु जाने का कार्यक्रम किसी अनापेक्षित कारण से स्थगित करना पड़ेगा, जिससे सभी को निराशा होगी। शिक्षकों के लिए आज शिक्षा के सन्दर्भ में चुनौती भरा दिन होगा। विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान से उनके अध्यापन कौशल्य की परीक्षा होगी। खिलाड़ी आज बहुत गतिशील रहेंगे। किसी भी दुस्साहसपूर्ण काम के लिए स्वयं को स्फूर्त और उत्साहित महसूस करेंगे। नए कलातंत्र और नयी कल्पनाओं पर परिक्षण कर रहे कलाकारों को लगेगा जैसे वे शुन्य में हैं।

मीन: दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची।

मीन: अविवाहित जन आज किसी आकर्षक व्यक्ति से मिल सकते हैं, पर उन्हें सलाह है कि कोई भी प्रतिबद्धता या समर्पण व्यक्त करने से पहले अच्छी तरह सोच समझ लें। आज बाजार का उतार चढ़ाव निवेशकों को अनापेक्षित मुनाफा दिलाएगा। वे वास्तव में बहुत बड़ा लाभ पा सकते हैं यदि सोच समझ कर निवेश करें। व्यवहार-कुशल राजनेता आज अपने कार्यक्षेत्र में उभर कर आयेंगे। वे अपने कामकाज को आगे बढ़ाकर अपनी पार्टी में ऊंचा मुकाम हासिल करेंगे।

बौछारी (स्प्रिंकलर) सिंचाई विधि

स्प्रिंकलर विधि से सिंचाई में पानी का छिड़काव के रूप में प्रयोग किया जाता है। जिससे पौधें पर वर्षा की बूंदे पड़ती है। बौछारी सिंचाई प्रणाली के मुख्य घटक- बौछारी सिंचाई पद्धति में मुख्य भाग पम्प, मुख्य नली, बगल की नली, पानी उठाने वाली नली एवं पानी छिड़कने वाला फुहारा होता है।

बौछारी सिंचाई प्रणाली की क्रिया विधि- बौछारी सिंचाई में नली में पानी दबाव के साथ पम्प द्वारा भेजा जाता है जिससे फसल पर फुहारा द्वारा छिड़काव होता है। मुख्य नली बगल की नलियों से जुड़ी होती है। बगल की नलियों में पानी उठाने वाली नली जुड़ी होती है। पानी उठाने वाली नली जिसे राइजर पाइप कहते है, इसकी लम्बाई फसल की लम्बाई, पर निर्भर करती है। क्योंकि फसल की ऊंचाई जितनी रहती है राइजर पाइप उससे ऊंचा हमेशा रखना पड़ता है। इसे सामान्यतः फलस की अधिकतम लम्बाई के बराबर होना चाहिए। पानी छिड़कने वाले हेड घूमने वाले होते है जिन्हें पानी उठाने वाले पाइप से लगा दिया जाता है। पानी छिड़कने वाले यंत्र भूमि के पूरे क्षेत्रफल पर अर्थात फसल के ऊपर पानी छिड़कते है। दबाव के कारण पानी काफी दूर तक छिड़क जाता है। जिससे सिंचाई होती है।

बौछारी सिंचाई से लाभ

सतही सिंचाई में पानी खेत तक पहुँचने में 15-20 प्रतिशत दूर तक अनुपयोगी रहता है।नहर के पानी से यह हानि 30-50 प्रतिशत तक बढ़ जाती है और सतही सिंचाई में एकसा पानी नहीं पहुँचता जबकि बौछारी सिंचाई से सिंचित क्षेत्रफल 1.5 - 2 गुना बढ़ जाता है अर्थात इस विधि से सिंचाई करने पर 25-50 प्रतिशत तक पानी की सीधे बचत होती है।जब पानी वर्षा की भांति छिड़का जाता है तो भूमि पर जल भराव नहीं होता है जिससे मिट्टी की पानी सोखने की दर की अपेक्षा छिड़काव कम होने से पानी के बहने से हानि नहीं होती है।जिन जगहों पर भूमि ऊंची-नीची रहती है वहाँ पर सतही सिंचाई संभव नहीं हो पाती उन जगहों पर बौछारी सिंचाई वरदान साबित होती है।बौछारी सिंचाई बलुई मिट्टी एवं बुन्देलखण्ड जैसे क्षेत्रों के लिए उपयुक्त विधि है साथ ही यह अधिक ढाल वाली तथा ऊंची-नीची जगहों के लिए सर्वोत्तम विधि है। इन जगहों पर सतही विधि से सिंचाई नहीं की जा सकती है।इस विधि से सिंचाई करने पर मृदा में नमी का उपयुक्त स्तर बना रहता है जिसके कारण फसल की वृद्धि उपज और गुणवत्ता अच्छी रहती है।इस विधि में सिंचाई के पानी के साथ घुलनशील उर्वरक, कीटनाशी तथा जीवनाशी या खरपतवारनाशी दवाओं का भी प्रयोग आसानी से किया जा सकता है।पाला पड़ने से पहले बौछारी सिंचाई पद्धति से सिंचाई करने पर तापक्रम बढ़ जाने से फसल का पाले से नुकसान नहीं होता है।पानी की कमी, सीमित पानी की उपलब्धता वाले क्षेत्रों में दुगना से तीन गुना क्षेत्रफल सतही सिंचाई की अपेक्षा किया जा सकता है।

रखरखाव एवं सावधानियाँ

बौछारी सिंचाई के प्रयोग के समय एवं प्रयोग के बाद परीक्षण कर लेना चाहिए और कुछ मुख्य सावधानियाँ रखने से सेट अच्छी तरह चलता है। जैसे - प्रयोग होने वाला सिंचाई जल स्वच्छ तथा बालू एवं अत्यधिक मात्रा घुलनशील तत्वों से युक्त होना चाहिए तथा उर्वरकों, फफूंदी/खरपतवार नाशी आदि दवाओं के प्रयोग के पश्चात सम्पूर्ण प्रणाली को स्वच्छ पानी से सफाई कर लेना चाहिए।

प्लास्टिक वाशरों को आवश्यकतानुसार निरीक्षण करते रहना चाहिए और बदलते रहना चाहिए। रबर सील को साफ रखना चाहिए तथा प्रयोग के बाद अन्य फिटिंग भागों को अलग कर साफ करने के उपरान्त शुष्क स्थान पर भण्डारित करना चाहिए।

रबी ऋतु में राजमा की खेती का प्रचलन मैदानी क्षेत्र में विगत कुछ वर्षों से हुआ है। अभी राजमा के क्षेत्रफल व उत्पादन के आंकड़े उपलब्ध नहीं है।

रबी राजमा

भूमि

दोमट तथा हल्की दोमट भूमि अधिक उपयुक्त है। पानी के निकास की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए।

भूमि की तैयार

प्रथम जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा 2-3 जुताई देशी हल या कल्टीवेटर से करने पर खेत तैयार हो जाता है। बुवाई के समय भूमि में पर्याप्त नमी अति आवश्यक है।

बीज की मात्रा

120 से 140 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30-40 सेमी0 तथा पौधे से पौधा 10 सेमी0 । बीज 8-10 सेमी0 गहराई में थीरम से बीज उपचार करने के बाद डालना चाहिए ताकि पर्याप्त नमी मिल सके।

बुवाई

अक्टूबर का तृतीय एवं चतुर्थ सप्ताह बुवाई के लिए उपयुक्त है। पूर्वी क्षेत्र में नवम्बर के प्रथम सप्ताह में भी बोया जाता है। इसके बाद बोने से उत्पादन घट जाता है।

उर्वरक

राजमा में राइजोबियम ग्रन्थियां न होने के कारण नत्रजन की अधिक मात्रा में आवश्यकता होती है। 120 किग्रा0 नत्रजन, 60 किग्रा0फास्फेट एवं 30 किग्रा0 पोटाश प्रति हेक्टेयर तत्व के रूप में देना आवश्यक है। 60 किग्रा0 नत्रजन तथा फास्फेट एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के समय तथा बची आधी नत्रजन की मात्रा टाप ड्रेसिंग में देनी चाहिए। 20 किग्रा0/हेक्टर गंधक देने से लाभकारी परिणाम मिले हैं। 2त्न यूरिया के घोल का छिड़काव 30 दिन तथा 50 दिन पर करने से उपज बढ़ती है।

सिंचाई

राजमा में 2 या 3 सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। बुवाई के चार सप्ताह बाद प्रथम सिंचाई अवश्य करनी चाहिए। बाद की सिंचाई एक माह के अन्तराल पर करें, सिंचाई हल्के रूप में करना चाहिए ताकि पानी खेत में न ठहरे।

निराई-गुड़ाई

प्रथम सिंचाई के बाद निराई एवं गुड़ाई करनी चाहिए। गुड़ाई के समय थोड़ी मिट्टी पौधे पर चढ़ा देनी चाहिए ताकि फली लगने पर पौधे को सहारा मिल सके। फसल उगने के पहले पेन्डीमेथलीन का छिड़काव (3.3 लीटर/हेक्टर) करके भी खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है।

बीज शोधन

उपयुक्त फफूँदीनाशक पाउडर जैसे कार्बान्डाजिम या थीरम 2 ग्रा./प्रति किग्रा0 बीज की दर से बीज शोधन करने से अंकुरण के समय रोगों का प्रकोप रूक जाता है।

रोग नियंत्रण

पत्तियों पर मौजेक देखते ही डाइमेथेयेट 30 प्रतिशत ई.सी. 1 लीटर अथवा इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत एस.एल. की 250 मिली0 मात्रा को 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करने से सफेद मक्खियों का नियंत्रण हो जाता है। जिससे यह रोग फैल नहीं पाता। रोगी पौधे को प्रारम्भ में ही निकाल दें ताकि रोग फैल न सके।

फसल कटाई एवं भण्डारण

जब फलियां पक जायें तो फसल काट लेनी चाहिए। अधिक सुखाने पर फलियां चटकने लगती हैं। मड़ाई या कटाई करके दाना निकाल लेते हैं।

आखिर कब तक चलेगी दो बैरकों में सवाई माधोपुर जिला जेल, प्रशासन खामोश

क्यों राजा भईया ने मुख्य सचिव व जिला कलेक्टर को भेजा कानूनी नोटिस

सवाई माधोपुर जिला जेल के दो बैरकों में चलने का मामला, मुख्य सचिव व जिला कलेक्टर को राजा भईया ने भेज कानूनी नोटिस

♦भारत टाइम्स♦

सवाई माधोपुर। जिला सवाई माधोपुर और राज्य प्रशासन द्वारा पिछले लगभग छ सात वर्षो से इस जिले में मात्र दो बन्दी बैरकों में चलाई जा रही जिला जेल के मामले में प्रशासन की लापारवाही के चलते आज हिन्दुस्तान शिवसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं दिल्ली हाई कोर्ट के एडवोकेट राजेंद्रसिह तोमर राजा भईया ने राज्य के मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष को लिखित प्रार्थना पत्र एवं राज्य के मुख्य सचिव सहित डीजी जेल मुख्यालय व जिला कलेक्टर सवाई माधोपुर को जनहित व न्यायाहित में कानूनी नोटिस भेज कर जिले में तत्काल नई जिला जेल के लिऐ भूमि आवंटित कर नया जेल भवन निर्माण करने की मांग की है। इस बाबत प्रेस नोट जारी कर भेजे गए नोटिस की प्रतियां पत्रकारों को देते हुऐ राजा भईया ने बताया कि उपरोक्त जिले में पिछले छ - सात वर्षो से मात्र दो पुरुष बन्दी बैरकों और एक छोटी सी महिला बन्दी

कोठरी मे यहां जिला जेल प्रशासन द्वारा चलाई जा रही है जिसकी छमता मात्र पचास साठ बंदियों के रखने की है ये नाम मात्र की जिला जेल है, परिसर एवं छमता के हिसाब से असल में ये मात्र एक बन्दी हवालात है जिसमें बंदियों के लिऐ रसोई, स्नान गृह, शौचालय, जेल व आरेसी कर्मियों के लिऐ रहने के बैरको की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं है आपात स्थिति के लिऐ इस जिला जेल में डिस्पेंसरी व अस्पताल तक नहीं है। जबकि यह जिला एक बहुसंख्यक आबादी वाला बड़ा जिला है, बंदियों की जनसंख्या अधिक होने पर यहां के बंदियों को जिले से बाहर दुसरे जिलों की जेलों में भेजा जाता है और कई बार यहां संख्या से अधिक बंदियों को भी निरुद्ध रखा जाता है जिससे बंदियों के परिजनो को

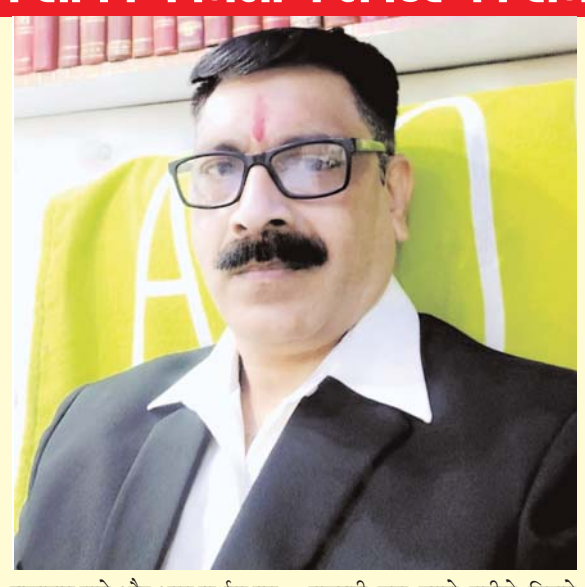

बकालत नामे और अन्य प्रार्थना पत्र उनसे साईन करा कर लाने और उनसे मुलाकात करने के लिऐ मजबूरन दुसरे जिलों की जेलों में जानें पर विवश होना पड़ता है दूर दराज की दूसरी जेलों में यहां से भेजे गए बंदियों के बहुत से परिजन मजबूरी वश उनसे महीनो मिलने तक नहीं जा पाते हैं सैंकड़ों बार दूसरी जेलों से यहां के निरुद्ध बंदियों को तारिख पेशी पर भी नहीं लाया जाता जिससे अदालतों द्वारा उनके मामलों में मजबूरन आगमी तारीखें देनी पड़ती हैं जिससे बंदियों और पीड़ितों को ना सिर्फ न्याय मिलने में देरी होती है बल्कि संबन्धित अदालतों पर भी नाहक काम का बोझ बढ़ जाता है, ऐसे में उन बंदियों व उनके परिजनों के साथ साथ पीडितों के मानवाधिकारों का उलंघन तो होता ही है साठ ही साथ उन्हें आर्थिक मानसिक व शारीरिक पीडाएं भी झेलनी पड़ती है । एडवोकेट तोमर ने यह भी बताया कि उपरोक्त सभी समस्याओं को देखते हुऐ वो पूर्व में भी यहां नई जिला जेल बनाने और जेल में नियमानुसार बंदियों उनके परिजनों, एवं जेल कर्मियों को पूर्ण सुविधाएं देने की मांगों को लेकर सभी संबन्धित प्रशासन के अधिकारियों को कई बार लिखित शिकायते कर चूके हैं, परन्तु प्रशासन उनकी सभी शिकायतों पर आज तक मौन सादे हुऐ है यहां तक कि अभि इस जिले में नई जिला जेल बनाने हेतु जिला प्रशासन ने तो जेल विभाग को भूमि तक आबंटित नहीं की है ताकी नवीन जेल बनाने की प्रक्रिया आरम्भ हो सके। इस लिए अब मजबूरन राजा भईया ने जनहित व न्यायहित में राज्य के मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष महोदय को इस बाबत सम्बन्धित अधिकारियों को उचित दिशा निर्देश देने एवं राज्य के मुख्य सचिव, डीजी /आईजी जेल मुख्यालय तथा जिला सवाई माधोपुर के जिला कलेक्टर महोदय को सीपीसी की धारा 80 के तहत कानूनी नोटिस भेज कर तत्काल उपरोक्त मामले में कार्यवाही करने और नई जिला जेल के लिऐ भूमि आवंटित कर नवीन जेल भवन बनाने की मांग की है साथ ही उन्होंने कार्यवाही ना होने पर नोटिस की समय मियाद पूरी होने पर उपरोक्त अधिकारियों के विरुद्ध संबन्धित व सक्षम न्यायालय में वाद/मुकदमा उपरोक्त बाबत दायर करने की चेतावनी भी दी है। जेल बन्दीयों एवं उनके परिजनों एवं जेल कर्मियों के हित में राजा भईया की ये लडाई कब तक और क्या रंग लायेगी ये तो आने वाला समय ही बतायेगा, परन्तु उनका यह निरंतर किया जा रहा प्रयास सराहनीय योग्य है।

विश्व सिकल सेल दिवसझ के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का हुआ आयोजन

♦भारत टाइम्स♦

रहीम शेरानी झाबुआ। प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया की उन्मूलन हेतु राज्य हीमोग्लोबि ?नोपैथी मिशन के अंतर्गत जिलें में सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग, जांच, प्रबंधन, काउंसलिंग एवं रोकथाम हेतु कार्ययोजना का संचालन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी 19 जून 2024 को विश्व सिकल सेल दिवस के रूप में मनाया गया सिकल सेल दिवस पर उपराष्ट्र पति श्री जगदीप धनखड़ के मुख्य अतिथ्य में जिला डिंडौरी में हुए कार्यक्रम का लाईव प्रसारण किया जाकर कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें जिला स्तर पर 578 व्यक्ति सहभागी हुए। जिला स्तरीय कार्यक्रम के साथ ही सिकल सेल परीक्षण शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसके अंतर्गत कुल 267 बच्चों के सिकल सेल की जांच की गई। जिसमें से कुल 29 बच्चें सिकल

सेल रोग से ग्रसित मिले तथा 82 बच्चें सिकल सेल वाहक पाये गयें। चिन्हित सिकल सेल रोगियों को आयोजित शिविर में विषय विशेषज्ञों द्वारा परामर्श की व्योवस्थाल, टेलीकंसल्टोशन हेतु ऑनलाईन डेस्क की व्यवस्था, उपचार एवं प्रबंधन हेतु औषधि हाइड्रोक्सी यूरिया का वितरण, जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड, फोलोअप कार्ड एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र के वितरण की व्यवस्था भी की गई थी। साथ ही संपूर्ण जिले में आयोजित कार्यक्रमों में कुल 8194 जनमानस कार्यक्रम में सहभागीता की समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं पर कुल 6570 सिकल सेल की टेस्टिंग की गई जिनमें से कुल 134 सिकल सेल पॉजिटिव एवं 154 सिकल सेल वाहक पाये गयें। स्वास्थ्य शिविर का आयोजन प्रातः 10:00 बजें से शासकिय नर्सिंग महाविद्यालय बाड़कुआं रोड़ झाबुआ में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अपर कलेक्टर एस.एस. मुजाल्दा की अध्यक्षता तथा मुख्य अतिथि श्रीमती कविता सिंगार की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.बी.एस.बघेल ने जिले वासियों को स्वास्थ्य अमले के साथ सहयोग एवं सहभागिता कर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प अनुसार वर्ष 2047 तक पूर्ण रूप से सिकल सेल खत्म करने हेतु आव्हान किया।

अब पता चली अकबरपुर में गठबंधन की हार की असली वजह

पहले नीतम को बनाया जाना था कांग्रेस प्रत्याशी

♦भारत टाइम्स♦

सुनील बाजपेई कानपुर। कानपुर और अकबरपुर में भारतीय जनता पार्टी से हुई पराजय को इंडी गठबंधन पचा नहीं पा रहा है। इस बारे में पार्टी के पुराने और समर्पित माने जाने वाले कार्यकताओं और नेताओं की माने तो अकबरपुर में भाजपा से गठबंधन की प्रत्याशी राजा रामपाल की पराजय कारण उनका अति उत्साह ही रहा। ... और सूत्रों के मुताबिक गठबंधन प्रत्याशी राजाराम पाल की पराजय की दूसरी सबसे बड़ी वजह बहुत कमजोर बूथ प्रबंधन,जिसकी सत्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अकबरपुर के लगभग 30% से भी ज्यादा मतदान बूथों पर एजेंटों की नियुक्ति ही नहीं की गई थी। साथ ही अनेक मतदान केंद्रों पर बस्ते

ही नहीं लगाए गए थे। जबकि भाजपा का बूथ प्रबंधन हर दृष्टिकोण से बहुत मजबूत था। शायद गठबंधन प्रत्याशी राजाराम पाल और उनके सलाहकार समर्थकों को पूरा यकीन था कि वह कुछ भी ना करें तब भी वह अकबरपुर की सीट अवश्य ही जीत जाएंगे, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। कुल मिलाकर गठबंधन प्रत्याशी राजाराम पाल के जीत को लेकर अति उत्साह ,वोटरों और समर्पित पुराने कार्यकताओं की उपेक्षा बूथों पर बिल्कुल ही ध्यान नहीं देना। यहां तक की एजेंट भी नहीं नियुक्त करना और बस्ते भी नहीं लगवाना ही उनकी पराजय का कारण बन गई।और काफी कुछ लगभग यही हाल कानपुर लोकसभा सीट का भी रहा ,जहां से गठबंधन के कांग्रेस से प्रत्याशी आलोक मिश्रा मैदान में थे। अकबरपुर और कानपुर लोकसभा सीट पर हार जीत में वोटों का अंतर भी यही साबित करता है कि राजाराम पाल और आलोक मिश्रा की पराजय का कारण कोई और नहीं बल्कि वह खुद ही हैं। अगर भारतीय जनता पार्टी की तरह राजा रामपाल और आलोक मिश्रा जीत को लेकर अति विस्वास से अति उत्साहित नहीं होते। बूथों पर पर्याप्त ध्यान दिया होता। जीतने के लिए फर्जी वोटिंग के खिलाफ हर बूथ पर एजेंट नियुक्त किया होता। सभी जगह बस्ते लगवाये होते, जातीय गणित के हिसाब से मतदाताओं की उपेक्षा नहीं की होती। उनसे संपर्क किया होता तो दोनों ही सीटों पर परिणाम इंडी गठबंधन के ही पक्ष में होते। एक सवाल यह भी कि अगर गठबंधन नहीं होता तो क्या तब भी कांग्रेस अकबरपुर सीट अपनी झोली में डालने में सफल हो सकती थी। चुनाव में हार जीत के गुणा भाग में माहिर लोग इसका जवाब कांग्रेस के पक्ष में ही देते हैं। उनके मुताबिक अगर गठबंधन नहीं हुआ होता तो फिर अकबरपुर से कांग्रेस के प्रत्याशी होते लोकहित में अपनी धुन के पक्के, कठोर परिश्रमी, हर किसी के सुख दुख में सदैव साथ खड़े होने वाले तथा व्यवहार कुशल होने के फलस्वरूप कोई भी चुनाव जीतने की हद तक हर जाति ,हर धर्म और हर वर्ग के लोगों में मजबूत पकड़ रखने वाले कांग्रेस के प्रदेश सचिव वरिष्ठ युवा नेता नीतम सचान। समर्थक सूत्रों का दावा है।

कक्षा 1 से 8 के विद्यार्थियों के अभिभावकों के लिए स्कूल शिक्षा मंत्री का संदेश

♦भारत टाइम्स♦

रहीम शेरानी झाबुआ। परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री मध्यप्रदेश शासन द्वारा कक्षा 1 से 8 के विद्यार्थियों के अभिभावकों के लिए संदेश दिया गया है कि हम सभी चाहते हैं की हमारे बच्चे होनहार बनें, खूब पढ़ें-खूब खेलें, खुलकर जीयें और जीवन में खूब आगे बढ़े। इस दिशा में, शासन पूर्ण प्रतिबद्ध हो हर संभव कार्य कर रहा है। आपका सक्रिय सहयोग ही बच्चों के सर्वांगीण विकास में आवश्यक है। कुछ महत्वपूर्ण बिंदु हैं जिन पर नियमित ध्यान देने का आप से अनुरोध है अपने बच्चे को नियमित रूप से समय पर विद्यालय भेजें ताकि आपके बच्चे हर विषय एवं सभी गतिविधियों में पूर्ण भागीदारी ले सकें। घर में बच्चे के लिए, पढ़ने का स्थान और समय तय करें और प्रतिदिन तय किए गए समय पर पढ़ने की आदत डलवायें। पढ़ाई के लिए तय समय में उससे कोई अन्य कार्य

न करवाएं। कोशिश करें कि उनकी पढ़ाई के समय, घर में शांतिपूर्ण माहौल हो जिससे बच्चे मन लगा कर अध्ययन करें। शिक्षक से नियमित संवाद करें और अपने बच्चे की प्रगति और अन्य गतिविधियों पर चर्चा करें। कोई विशेष समस्या हो तो शिक्षक से मिलकर उसे सुलझाने का प्रयास करें। कभी आप स्वयं स्कूल न जा पाएँ तो फोन के माध्यम से शिक्षक के संपर्क में रहें। इन बातों का ध्यान रखें कि बच्चे यूनिफॉर्म में, टाइम टेबल के हिसाब से नोटबुक एवं किताबें लेकर विद्यालय पहुँचें। बच्चों से विद्यालय में हुई गतिविधियों के बारे में बात करें, उनकी डायरी चेक करें, गृहकार्य के बारे में पूछे और उसे पूरा करने में सहयोग करें। बच्चे की भावनाओं को जानने और समझने की कोशिश करें। इससे आपको उनकी पसंद-नापसंद, उनकी रुचियों व समस्याओं को समझने में मदद मिलेगी। अपने बच्चे की तुलना किसी और से न करें बल्कि उनके प्रयासों व खूबियों की प्रशंसा करें। पढ़ाई के साथ, उन्हे संगीत, कला, खेल आदि जैसी सह-शैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता करने लिए प्रोत्साहित करें ताकि उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हो और उनमें नेतृत्व कौशल और समूह में कार्य करने जैसे कौशलों का विकास हो। आपके उक्त समर्थन से बच्चों को प्रोत्साहन मिलेगा ही, साथ ही हमारे शिक्षकों का मनोबल भी बढ़ेगा। बच्चों का निखरता व्यक्तित्व उन्हें भविष्य का सफल, सुयोग्य एवं जिम्मेदार नागरिक बनायेगा, जो आने वाले समय में अपने समाज, प्रदेश और देश को विश्व क्षितिज पर गौरवान्वित करेंगे।

108 एंबुलेंस से घर पहुंचाने जा रहे मृतकों के शव

प्रतापगढ़। मरीजों के जगह अब 108 एंबुलेंस चालक और ईएमटी शव को अस्पताल से घर पहुंचाने लगे हैं। कल शाम मेडिकल कॉलेज में एक बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया। एंबुलेंस कर्मियों ने परिवार के सदस्यों से पैसा लेकर शव को घर पहुंचाने के लिए निकल पड़े। कुछ लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। विभागीय अफसर जांच कर रहे हैं। गौरा सीएचसी की 108 एंबुलेंस मरीज को लेकर मेडिकल कॉलेज आई थी। मेडिकल कॉलेज में उसने दम तोड़ दिया। मेडिकल कॉलेज में शव वाहन होते हुए भी चालक और ईएमटी ने मृतक के परिजनों से मिलकर शव को एंबुलेंस पर फिर से लाद लिए। शव लेकर मृतक के घर पहुंच गए।

रोटरी क्लब अपना मेघनगर ने तिलक लगाकर बच्चो को स्कुल मे दिलवाया प्रवेश

♦भारत टाइम्स♦

रहीम शेरानी झाबुआ। शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में सदेव कार्य करने वाली संस्था रोटरी क्लब अपना मेघनगर के तत्वाधान में मेघनगर विकासखंड की 24 स्कूलों में 2800 बच्चों को केंटरबरी बिस्कीट वितरण किये गये शिक्षा के मंदिर मे नन्हे मुन्ने बच्चे प्रथम दिन जब तैयार होकर विद्यालय पहुंचे तो स्कूली शिक्षक शिक्षिकाओं ने तिलक लगाकर स्वागत किया ग्रामीण क्षेत्र की 24 स्कूलों के बच्चों को स्कूल पहुंचने के बाद मेघनगर रोटरी क्लब अपना के द्वारा केटबरी बिस्किट वितरण किए गए बच्चों के चेहरो पर खुशी देखी गई रोटरी क्लब अपना की अध्यक्ष चंदनबाला शर्मा एवं सचिन माया शर्मा के द्वारा जानकारी दी गई थी रोटरी क्लब अपना मेघनगर शिक्षा के क्षेत्र में एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में अधिक कार्य करता है दिनांक 18 को स्कूलों में ग्रामीण क्षेत्र की शासकीय स्कूलों में प्रवेश उत्सव के उपल्क्ष में कैडबरी बिस्किट वितरण किए गए ग्रामीण क्षेत्र की 24

स्कूलों में लगभग 2800 बिस्कुट का वितरण किया जब बच्चे स्कूल में प्रवेश किया तो उन्हें उच्च क्वालिटी के बिस्कुट देखकर बच्चे काफी प्रसन्न हुए रोटरी क्लब के संस्थापक भारत मिस्त्री ने बताया की यह बिस्किट प्रतिवर्ष हमारे पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री गजेंद्र सिंह नारंग की ओर से इस ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के लिए भेजे जाते हैं उन्होंने भी बच्चों के प्रवेश उत्सव पर बच्चों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी एवं अच्छे शिक्षा प्राप्त करें उसके लिए आशीर्वाद प्रदान किया है रोटरी क्लब अपना मानव सेवा के कार्य हमेशा करता रहता है ।

कलेक्टर मुख्यालय पर नहीं रहने वाले सीएचओ का वेतन रोकें, दस्तक अभियान में चिन्हित बच्चों का निरंतर फॉलोअप किया जाए

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी पूरी गंभीरता से कार्य करें, धरातल पर स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत रहें

♦भारत टाइम्स♦

उज्जैन /जगदीश परमार। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने बुधवार 19 जून को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में पल्स पोलियो अभियान तथा दस्तक अभियान की बैठक लेकर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि कार्ययोजना बनाकर उक्त दोनों अभियान का सफल क्रियान्वयन किया जाए। धरातल पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत रहें। अभियान के तहत जिन बच्चों को चिन्हित किया है, उनका उपचार अच्छे से कराएं। चिन्हित बच्चों का निरंतर फालोअप किया जाएं। दस्तक अभियान स्वास्थ्य विभाग का महत्वपूर्ण अभियान है। इसकी सतत मॉनीटरिंग की जाएं। उक्त अभियान में स्वास्थ्य विभाग का अमला पूरी तत्परता से जुटें। जिले

के समस्त ब्लॉकों में प्रशिक्षण आयोजित किये जायें। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान को औपचारिकता न बनायें और यह सुनिश्चित करें कि जहां फालोअप नहीं हुआ है, वहां फालोअप कराएं। अभियान में जनप्रतिनिधियों को भी जोड़ा जाएं, ताकि जन जन को अभियान के प्रति जागरूकता लाई जा सकें। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे अपने अधीनस्थ मैदानी अमले को निर्देशित करें कि अपने मूल कार्यों को गंभीरता करें। दिशा निदेर्शों का अक्षरशः पालन कराया जाना सुनिश्चित करें। इस सम्बन्ध में शनिवार 29 जून को पुनः बैठक आयोजित की जायेगी। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे जिला स्तर से लगाकर ब्लॉक स्तर तक स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा करें। जो अधिकारी-कर्मचारी स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं एवं कार्यक्रमों तथा अभियानों में ठीक ढंग से काम नहीं करने वालों पर उचित कार्यवाही की जाएं। सीएचओ अपने-अपने मुख्यालयों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। अगर कोई सीएचओ मुख्यालय पर नहीं रहते हैं तो उनका वेतन रोका जाएं। बैठक में बताया गया कि भारत शासन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निदेर्शानुसार वर्ष 2024 में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन किया जा रहा है। जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो का आयोजन रविवार 23 जून को किया जायेगा, जिसके अन्तर्गत 0 से 5 वर्ष उम्र तक के बच्चों को दो बून्द पोलियो की दवा पिलाई जायेगी। विभाग द्वारा सम्पूर्ण जिले में पोलियो बूथ स्थापित किये जायेंगे, जहां दो बून्द पोलियो की दवाई पिलाई जायेगी। रविवार 23 जून को पोलियो की दवाई पीने से वंचित बच्चों को 24 व 25 जून को घर-घर जाकर दवाई पिलाई जायेगी। पल्स पोलियो अभियान के दौरान ईट भट्टे निर्माण स्थल, झुग्गी झोपड़ियां एवं घुम्मकड़ आबाद स्थल पर विशेष ध्यान देकर लक्ष्य का शत-प्रतिशत पूर्ति का प्रयास किया जायेगा। बैठक में पल्स पोलियो अभियान की समीक्षा के बाद कलेक्टर ने दस्तक अभियान की बैठक लेकर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। दस्तक अभियान का प्रथम चरण 25 जून से 27 अगस्त तक चलाया जायेगा। अभियान के तहत शिशु स्वास्थ्य, शिशु/बाल मृत्यु प्रकरणों में कमी लाना, इसके क्रियान्वयन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अभियान में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा अन्य विभागों के समन्वय से अभियान को सफल बनाया जायेगा। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अशोक कुमार पटेल, सिविल सर्जन डॉ.पीएन वर्मा, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.केसी परमार, डॉ.एसके सिंह, डॉ.एसके अखंड तथा जिले के समस्त बीएमओ, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री एसए सिद्धिकी आदि उपस्थित थे।

स्कूल चलें हम अभियान अंतर्गत स्कूलों में मनाया गया प्रवेशोत्सव

♦भारत टाइम्स♦

रहीम शेरानी झाबुआ। मध्यप्रदेश शिक्षा विभाग एवं राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निदेर्शानुसार स्कूल चलें हम अभियान 2024-25 का शुभारंभ 18 जून 2024 से जिले में हुआ। जिसमें 20 जून 2024 तक विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ प्रत्येक शासकीय शालाओं में आयोजित की जायेंगी। इसी कडी में 18 जून 2024 को सभी शालाओं में प्रवेशोत्सव मनाया गया। उपस्थित सभी बच्चो को निःशुल्क 8 पाठयपुस्तकें वितरित की गयी एवं बच्चो के लिये विशेष भोज का आयोजन किया गया। 19 जून 2024 को शिक्षक झ अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें अभिभावको को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गयी। राज्य शासन की ओर से अभिभावको को संबोधित पत्र का वितरण किया गया। स्कूल चलें हम अभियान 2024-25 के अंतर्गत 20 जून 2024 को भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत जिले के प्रथम एवं व्दितीय श्रेणी अधिकारी भी आवंटित शाला में पहुंचकर किसी भी एक कक्षा में एक कालखण्ड का अध्यापन कार्य करायेंगे। इसके लिये कलेक्टर एवं सह जिला मिशन संचालक समग्र शिक्षा अभियान झाबुआ नेहा मीना द्वारा 86 जिला अधिकारियों को शाला आवंटित की गई है।

अरवल्ली जिले के सूर्या सैनिक स्कूल खेरंचा में विश्व सिकल सेल दिवस जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सिकल सेल रोग (एससीडी) से पीड़ित व्यक्तियों को समझने और उनकी मदद करने के लिए सिकल सेल जागरूकता महत्वपूर्ण है।

♦भारत टाइम्स♦

भरतसिंह ,आर ,ठाकोर अरवली ,गुजरात। अरावली जिले के सैनिक स्कूल में विश्व सिकल सेल दिवस के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

19 जून - दुनिया भर में विश्व सिकल सेल दिवस मनाया जाता है। सिकल सेल रोग (एससीडी) से पीड़ित व्यक्तियों को समझने और उनकी मदद करने के लिए सिकल सेल जागरूकता महत्वपूर्ण है। जागरूकता बढ़ाने के लिए यहां कुछ प्रमुख बिंदु दिए गए हैं

सिकल सेल रोग क्या होता है-

एक आनुवंशिक विकार जो हीमोग्लोबिन उत्पादन को प्रभावित करता है, जिससे लाल रक्त कोशिकाएं विकृत (हंसिए के आकार की) हो जाती हैं।

सभी नस्लों के लोगों को प्रभावित करता है, लेकिन अफ्रीकी, भूमध्यसागरीय और मध्य पूर्वी मूल के लोगों में सबसे आम है

विशेषताएँ-

एनीमिया (लाल रक्त कोशिकाओं की कम संख्या)

दर्द एपिसोड (संकट)

हाथ-पैरों में सूजन

पीली त्वचा और आंखें (पीलिया)

वृद्धि और विकास में देरी

कठिनाई

संक्रमण का खतरा बढ़ गया

अंग क्षति (किडनी, लीवर, फेफड़े) स्ट्रोक और रक्त के थक्के नज़रों की समस्या सिकल सेल संकट से मृत्यु हो सकती है

जागरूकता का महत्व

शीघ्र निदान और उपचार से जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है जागरूकता कलंक को कम करती है और समझ को बढ़ावा देती है नए उपचारों के अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करता है एससीडी से प्रभावित परिवारों और व्यक्तियों का समर्थन करता है

जागरूकता का महत्व-

शीघ्र निदान और उपचार से जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है जागरूकता कलंक को कम करती है और समझ को बढ़ावा देती है नए उपचारों के अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करता है एससीडी से प्रभावित परिवारों और व्यक्तियों का समर्थन करता है

समर्थन कैसे दिखाएं-

19 जून (विश्व सिकल सेल दिवस) को लाल रंग पहनें।

सोशल मीडिया पर जागरूकता पोस्ट और कहानियां साझा करें

एससीडी अनुसंधान और संगठनों को दान दें एससीडी सहायता समूहों के साथ स्वयंसेवक एससीडी के बारे में खुद को और दूसरों को शिक्षित करें याद रखें, जागरूकता सिकल सेल रोग से पीड़ित व्यक्तियों की सहायता करने की कुंजी है। आइए समझ को बढ़ावा देने और इलाज की वकालत करने के लिए मिलकर काम करें।

कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी श्री दीपेश केडिया, विधायक श्री पी.सी.बरंडा, स्वास्थ्य अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में सैनिक स्कूल के विद्यार्थी उपस्थित थे।

तीन दिवसीय योग दिवस का शुभारंभ

♦भारत टाइम्स♦

बिलाड़ा । सीरवी मोती सिंह स्टेडियम बिलाड़ा में सीरवी नवयुवक मंडल ग्राम इकाई बिलाड़ा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय योग शिविर का उद्घाटन नगर पालिका अध्यक्ष रूप सिंह परिहार सीरवी के द्वारा महर्षि पतंजलि के तस्वीर पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर कही लोगों ने और खिलाड़ियों ने खिलाड़ियों ने योग सीखे और योग अभ्यास किया। सीरवी नवयुवक मंडल बिलाड़ा के अध्यक्ष चेनाराम पालावत ने बताया कि योग शिविर में सूर्य नमस्कार कई आसन, प्राणायाम, ध्यान ,बंद और क्रियाओ का अभ्यास करवाया गया । योग प्रशिक्षण चंद्र प्रकाश पटेल सुरेंद्र काग चेनाराम पालावत के निर्देशन में किया गया । उर्मिला और करिश्मा के द्वारा कुछ एडवांस योग का प्रदर्शन किया गया । योग शिविर में आष गुरुकुल माउंट आबू के बाल ब्रह्मचारीयों ने कविता और शांति पाठ किया। इस अवसर पर वीरेंद्र सिंह राठौर ने नवयुवक मंडल की तरफ से पालिका अध्यक्ष का स्वागत किया गया इस अवसर पर कार्यक्रम काम की सभी व्यवस्था माधु सिंह लालावत, गोपाल सिंह राठौड़,किशोर सिंह हाम्बड के द्वारा की गई । इस अवसर पर प्रकाश चंद्र वर्मा,दीनदयाल सोनी वीरेंद्र राठौड़ कई गणमान्य माननीय नागरिक बालक बालिकाएं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

सहारा क्लब ने रेलवे स्टेशन पर ठंडे मीठे जल की छबील लगाई

छबील के दौरान उपस्थित क्लब के सदस्य।

♦भारत टाइम्स♦

रामा मंडी। 18 जून,अशोक कुमार. दी रामा सहारा वेलफेयर क्लब के द्वारा शहर निवासियों और दानी सज्जनों के सहयोग से रेलवे स्टेशन पर ठंडे मीठे जल की छबील लगाई गई जहां हजारों की संख्या में लोगों ने ठंडा मीठा जल ग्रहण किया।इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए सहारा क्लब के अध्यक्ष डॉ.सोहनलाल कल्याणी ने बताया कि क्लब के द्वारा प्रतिदिन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए प्रतिदिन जल की सेवा निभाई जाती है।उन्होंने सभी लोगों से गर्मी को देखते हुए राहगीरों और पशु पक्षियों के लिए अपनी दुकानों और घरों के बाहर पानी की व्यवस्था करने की अपील की।इस मौके पर हंसराज खन्ना,बूटा सिंह,राहुल भंडारी,सतीश बांसल, तेलू अरोड़ा के इलावा बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित थे।

21 जून को अरावली जिला स्तर का अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस शामलाजी के मेस्वो बांध पर आयोजित किया जाएगा

अरावली के प्रत्येक तालुका में तालुका स्तरीय योग कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे

आइए हम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को अपनाने के लिए आगे बढ़ें, आइए हम सभी योगी बनें और अपनी अरावली को स्वस्थ बनाएं

♦भारत टाइम्स♦

भरतसिंह ,आर ,ठाकोर अरवली ,गुजरात। अरावली जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम शामलाजी के मेशवो बांध पर होना है योग करने से मन शांत रहता है. ऐसा करने से चिंता नहीं होती. मानसिक तनाव और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियाँ शरीर से दूर रहती हैं। योग से रक्त प्रवाह बेहतर होता है। यह शरीर की हृदय गति में भी सुधार करता है और प्रतिरक्षा को बढ़ाता है। इतना ही नहीं, योग रक्तचाप को नियंत्रित करने और रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। योग से वजन भी नियंत्रण में रहता है। योग सदैव प्रसन्न रखता है। इससे मानसिक शांति बढ़ती है जिससे नींद अच्छी आती है। योग एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें आप बिना किसी उपकरण के व्यायाम कर सकते हैं। इतना ही नहीं बल्कि योग से आप बिना किसी दवा के अपनी बीमारियों को ठीक कर सकते हैं। योग के जरिए आप अपने शरीर में लचीलापन बढ़ा सकते हैं। अगर किसी के शरीर में लचीलापन है तो उस शरीर में दर्द बहुत कम हो जाता है। योग करने से आपका दर्द दूर हो सकता है। अगर कोई व्यक्ति प्रतिदिन 20 से 30 मिनट तक योग करता है तो उसका शरीर पूरे दिन थकता नहीं है। बच्चों के लिए योग बहुत फायदेमंद है।

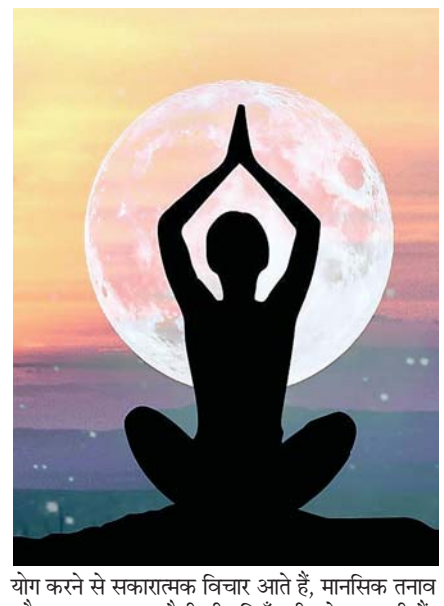

योग करने से सकारात्मक विचार आते हैं, मानसिक तनाव और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियाँ शरीर से दूर रहती हैं। हमारी जीवनशैली में बदलाव और जागरूकता पैदा करने से तंदुरुस्ती में मदद मिल सकती है। आइए हम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को अपनाने की दिशा में काम करें, आइए हम सभी फिट रहें और अपनी अरावली को स्वस्थ बनाएं।

रामदेव प्रार्थना मंदिर में निर्जला एकादशी पर्व धूम-धाम से मनाया

♦भारत टाइम्स♦

बेंगलूरू। मागड़ी रोड दासरहल्ली स्थित रामदेव प्रार्थना मंदिर में मंगलवार को निर्जला एकादशी का पर्व धूम-धाम से मनाया गया। दिन भर रामदेव मंदिर में भजन कीर्तन व दान पुण्य का दौर जारी रहा। कई महिलाओं ने निर्जन व निराहार रहकर व्रत रखा। एकादशी पर महिलाओं ने मंदिर पर मटकियां रखी। महिलाओं ने आम वितरण किए। वही निर्जला एकादशी पर व्रत-पूजन के साथ दान पुण्य की परम्परा का भी विवर्हन किया गया। प्रातःमंदिर में पूजा अर्चना अभिषेक किया गया। उसके बाद महाआरती की गई। इस मौके पर मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। कथा वाचक नवीन पांडे , पंकज शर्मा, राकेश उपाध्याय ने हनुमान चालीसा पाठ किया। इस अवसर पर संस्था के सरक्षंक इन्द्रलाल सोलंकी,अध्यक्ष चेतन सीरवी, सलाहकार ओमसिंह राजपुरोहित, संगठन मंत्री जय प्रकाश सीरवी, श्रवण प्रजापत, श्री प्रजापत समाज ट्रस्ट कर्नाटक के अध्यक्ष मदनलाल कपुरपुरा, घेवरराम हाटवा, अनील सीरवी, ललित सिंह राजपुरोहित, भानाराम गहलोत एवं रामदेव भक्त मण्डल के समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं रामदेव भक्त महिला मंडल सहित बड़ी संख्या में अनेक महिलाएं मौजूद रही।

नवचयनितआईएएस सानिया का पैतृक गांव अटबडा पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत

इस सामोरह में सानिया सीरवी ने बताया कि संकारात्मक सोच एवं कठिन मेहनत से सफलता हासिल की जा सकती है।

♦भारत टाइम्स♦

बिलाड़ा। पाली जिले के अटबडा गांव की मूल निवासी सुश्री सानिया सीरवी पुत्री गोपाल कृष्ण सयुक्त रजिस्टार सुपौत्री शेराराम पूर्व संरपच का इस वर्ष आईएएस परीक्षा में 171 वीं रैंक के साथ चयनित होने पर गांव अटबडा में सीरवी समाज के द्वारा अभिनंदन किया गया। इस सामोरह में सानिया सीरवी ने बताया कि संकारात्मक सोच एवं कठिन मेहनत से सफलता हासिल की जा सकती है। इस भव्य आयोजित समारोह में समाज एवं नवयुवक मण्डल अटबडा द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर सानिया के नाना पूर्व आईजी एवं मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष पुखराज सीरवी, कोटवाल, जमादारी, पंचगण एवं समस्त सीरवी नवयुवक मण्डल एवं अध्यक्ष बाबूलाल आगलेचा एवं बिलाड़ा परगना समिति के अध्यक्ष अशोक परिहार, सोजत परगना समिति के अध्यक्ष भंवरलाल सेंणचा, सोजत पूर्व के भीकाराम पूर्व उप जिला प्रमुख कोतवाल मोहनलाल जिम्मेदारी जीवाराम, किसान नेता शैतान सिंह, मंच संचालन रामलाल गहलोत, सोजत प्रधान धोबी देवी एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित थे।

धान की सीधी बिजाई के लिए पानी की कमी, किसान परेशान

किसान नेता सरूप सिद्ध ने कहा सरकार के दावे खोखले

♦भारत टाइम्स♦

तलवंडी साबो। 18 जून,अशोक कुमार.पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के द्वारा धान की सीधी बिजाई को लेकर पानी सप्लाई के बड़े बड़े दावों के बावजूद अभी तक पानी की सप्लाई सही नहीं आ सकी जिसके चलते किसानों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।पहले जहां कुछ दिन पानी की सप्लाई हुई ही नहीं और रजबाहे सूखे रहे तो वहीं अब पानी की सप्लाई शुरू होने के बाद बेहद कम मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है।इस संबंध में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भारतीय किसान यूनियन लक्खोवाल टिकैत के सूबा जनरल सेक्रेटरी सरूप सिंह रामा ने कहा कि पानी की सप्लाई को लेकर सरकार के दावे अभी तक खोखले साबित हुए हैं और अभी तक तलवंडी साबो ब्लॉक के कई गांव पानी की कमी से जूझ रहे हैं।उन्होंने कहा कि एक तरफ़ जहां सरकार के द्वारा किसानों को धरती का पानी बचाने के लिए जागरूक किया जा रहा है वहीं सरकार के द्वारा खुद ही किसानों को पानी मुहैया ना करवाकर धरती का पानी प्रयोग करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि किसान ना सिर्फ धरती का पानी प्रयोग करने के लिए मजबूर हो रहे हैं बल्कि इसके चलते उन्हें हजारों रुपए का आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है।उन्होंने कहा कि पानी की सप्लाई से केवल धान की फसल ही प्रभावित नहीं हो रही बल्कि कपास

किसान नेता सरूप सिंह रामा।

और मूंगी की फसल पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।उन्होंने पंजाब सरकार से जल्द से जल्द पानी की सप्लाई यकीनी बनाने की मांग की और ऐसा ना होने की सूरत में जत्थेबंदी के द्वारा कड़े संघर्ष की चेतावनी दी।

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पोस्टर का हुआ विमोचन

♦भारत टाइम्स♦

बिलाड़ा। योग शिविर एवं अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर सोमवार को सीरवी नवयुवक मंडल बिलाड़ा की कार्यकारिणी की मीटिंग हुई, जिसमें तीन दिवसीय योग शिविर आयोजित करने और इस वर्ष मानसून सक्रिय होने पर लगभग 100 पौधे लगाना और उनका रख-रखाव करने का निर्णय लिया गया। 19 जून से 21 जून तक तीन दिवसीय योग शिविर आयोजन के लिए सीरवी मोती सिंह स्टेडियम में पोस्टर विमोचन किया गया। पोस्टर विमोचन के अवसर पर रूपसिंह परिहार अध्यक्ष नगरपालिका बिलाड़ा, सीरवी नवयुवक मंडल परगना समिति के अध्यक्ष अशोक परिहार, चेनाराम पालावत अध्यक्ष सीरवी नवयुवक मंडल ग्राम इकाई बिलाड़ा, माधवसिंह राठौड़, गोपाल सिंह राठौड़, सुरेंद्रसिंह काग, वीरेंद्र राठौड, किशोरसिंह हाम्बड़, माधवसिंह लालावत कई एथलीट्स आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे। योग दिवस के अवसर पर प्रशिक्षक चैनाराम पालावत, डॉ. कैलाश, चन्द्रप्रकाश, अमरचंद पटेल द्वारा योगाभ्यास करवाया जाएगा।

भीषण गर्मी के चलते लोग परेशान,कामकाज ठप्प

भीषण गर्मी के चलते लोग अपने घरों में बैठने के लिए मजबूर हैं जिसका खामियाजा दुकानदारों को भी भुगतना पड़ रहा है

♦भारत टाइम्स♦

रामा मंडी। 18 जून,अशोक कुमार.पिछले कई दिनों से लगातार पड़ रही भीषण गर्मी ने लोगों का जीना दुर्भर कर दिया है जिसके चलते ना तो लोग घरों में बैठ सकते हैं और ना ही दुकानों पर। पारा जहां सुबह ही 40 डिग्री के पार और दोपहर के समय 45 डिग्री से ज्यादा का स्तर को पर कर रहा है समस्या केवल पारा बढ़ने की वजह से ही नहीं बल्कि लगातार चल रही तेज गर्म हवाएं भी लोगों की मुश्किल का सबब बनी हुई हैं। भीषण गर्मी के चलते लोग अपने घरों में बैठने के लिए मजबूर हैं जिसका खामियाजा

दुकानदारों को भी भुगतना पड़ रहा है क्यूंकि बाजार में ग्राहक ना होने के चलते कामकाज बिल्कुल ठप्प हैं।पत्रकारों से बातचीत करते हुए दुकानदार जनरल स्टोर के मालिक अंगूरी लाल, वैरायटी स्टोर के मालिक खनीश कुमार और रेडीमेड कपड़ों के विक्रेता हरीश कुमार ने बताया कि शहर के मुख्य बाजार में दुकान होने के बावजूद वह पिछले पांच दिनों से बिल्कुल खाली बैठे हैं जिसका सबसे बड़ा कारण ग्राहक का अपनों घरों से बाहर ना निकलना है। उन्होंने सरकार से अन्य व्यवसायों की तर्ज पर छोटे दुकानदारों को भी आर्थिक सहायता देने की मांग की।

क्या कहा डॉक्टर सोहनलाल कल्याणी ने.उधर इस संबंध में डॉक्टर सोहनलाल कल्याणी ने लोगों को बेहद जरूरी होने पर ही घरों से निकलने,लगातार पानी पीने,घर से बाहर निकलते समय शरीर को ढंककर बाहर निकलने,बच्चों और बुजुर्गों को घरों में ही रहने की सलाह दी।

योगी सरकार की बुलडोजर का बड़ा एक्शन

- इतिहास के पन्नों में दफन हुआ अकबरनगर
- भू-माफियाओं 1800 अवैध निर्माण जमींदोज

♦भारत टाइम्स♦

(शीतल निर्भीक) लखनऊ। कुकरैल नदी का अतिक्रमण कर अवैध कब्जों से पाट दिया गया लखनऊ का अकबर नगर इलाका अब इतिहास के पन्नों में दफन हो चुका है। इस क्षेत्र को अब इको टूरिज्म के हब के रूप में विकसित किए जाने की तैयारी हो रही है। रिवर फ्रंट के साथ ही देश की पहली नाइट सफारी के अलावा सरकार ने इस क्षेत्र को चमकाने का पूरा रोडमैप तैयार कर लिया है। इस पर जल्द अमल शुरू होगा। योगी सरकार के प्रयासों और सुप्रीम कोर्ट के आदेश से इस पूरे क्षेत्र को भूमाफिया, घुसपैठियों, रोहिंग्या और बांग्लादेशियों के कब्जे से खाली करा लिया गया है। यहां कब्जा कर बनाए गए एक-एक अवैध मकान और बड़े-बड़े वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को जमींदोज कर दिया गया है। बुधवार तड़के आखिरी बची चार मंजिला इमारत को भी ध्वस्त कर एलडीए ने अपनी कार्रवाई को अंजाम दिया। 10 जून से शुरू हुई कार्रवाई के खत्म होने के बाद अब योगी सरकार इस क्षेत्र के चहुंमुखी विकास पर ध्यान देने जा रही है। 1800 से अधिक अवैध निर्माण हुए जमींदोज- पिछली सरकारों और भूमाफिया की सांठगांठ के चलते कुकरैल नदी की जमीन पर कब्जा कर यहां अवैध निर्माण कर लिए गए थे। सीएम योगी ने प्रदेश की बागडोर संभालने के बाद इस ओर ध्यान दिया। शासन के निर्देश पर सर्वे के दौरान नदी की जमीन पर बड़ी संख्या में अवैध निर्माण की बात सामने आई थी, जिसके बाद सीएम योगी ने इस अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर चलाने का निर्णय लिया। लोकसभा चुनाव के पहले दिसंबर 2023 से शुरू हुआ यह अभियान लोकसभा चुनाव के बाद भी अनवरत जारी रहा और आखिरकार 19 जून की तड़के अंतिम इमारत को ध्वस्त करने के बाद ही रुका। इस दौरान योगी के बुलडोजर ने यहां अवैध रूप से बने 1169 मकानों और 101 कॉमर्शियल निर्माण को जमींदोज कर दिया। इस अभियान में करीब 24.5 एकड़ जमीन पर बने 1800 से अधिक अवैध निर्माण ध्वस्त किए गए हैं, जो इस अभियान की व्यापकता को दशार्ता है। इस दौरान कई अड़चनें भी आईं, लेकिन सीएम योगी ने हर चुनौती का सामना करते हुए इस अभियान को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा किया। कुकरेल नदी को पुनर्जीवित करने के अपने संकल्प को पूरा करने के लिए सीएम योगी ने हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लड़ी। कोर्ट ने भी योगी सरकार की कार्रवाई को सही माना।

नए सिरे से विकसित होगा क्षेत्र

कुकरैल नदी का क्षेत्र खाली होने के बाद अब यहां रिवर फ्रंट विकसित किया जाएगा। बख्शी के तालाब के पास दशौली गांव को इसका उद्गम स्थल माना जाता है, इसलिए वहीं से इसका विकास किया जाएगा। साथ ही सभी यहां मौजूद सभी तालाबों को इंटरलिंक करके क्षेत्र को संवारा जाएगा। इसके अलावा भी नगर विकास विभाग के अंतर्गत कई अन्य परियोजनाओं को यहां मूर्त रूप दिया जाएगा। यही नहीं, कई अन्य विभागों को भी इस क्षेत्र के विकास की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन परियोजनाओं का लेआउट प्लान तैयार किया जा रहा है और जल्द ही सीएम योगी की मंजूरी के बाद इसकी घोषणा की जाएगी। वहीं, योगी सरकार कुकरैल वन क्षेत्र को ईको टूरिज्म का हब बनाने जा रही है। यहां देश की पहली नाइट सफारी विकसित होने जा रही है। कुकरैल नाइट सफारी पार्क देश की पहली नाइट सफारी होगी। नाइट सफारी क्षेत्र में इंडियन वॉकिंग ट्रेल, इंडियन फुटहिल, इंडियन वेटलैंड, एरिड इंडिया व अफ्रीकन वेटलैंड की थीम पर विकसित किए जाने वाले क्षेत्र मुख्यआकर्षण होंगे। नाइट सफारी में कुल 42 इनक्लोजर में 54 प्रजातियों के जानवरों को रखा जाएगा। पर्यटकों द्वारा नाइट सफारी पार्क का अवलोकन 5.5 किमी ट्राम-वे तथा 1.92 किमी का पाथ-वे के माध्यम से किया जाएगा। नाइट सफारी में एशियाटिक लॉयन, घड़ियाल, बंगाल टाइगर, उड़न गिलहरी, तेंदुआ, हायना आदि आकर्षण का केंद्र होंगे। कुकरैल नदी के दोनों तरफ सुंदर पार्क विकसित किए जाएंगे। एडवेंचर एक्टिविटी भी होंगी।

सोशल मीडिया पर भी योगी सरकार के एक्शन की चर्चा

सीएम योगी के इस एक्शन की चर्चा सोशल मीडिया में भी हो रही है। लोग अंतिम इमारत ढहाए जाने के वीडियो पोस्ट कर इस क्षेत्र को अराजकता से मुक्ति दिलाने के लिए सीएम योगी की प्रशंसा कर रहे हैं। कई सोशल मीडिया यूजर्स पहले और अब की तस्वीरें पोस्ट कर बता रहे हैं कि कैसे इस क्षेत्र का अतिक्रमण किया गया था। लोगों का दावा है कि घुसपैठियों ने यहां सरकारी जमीन पर कब्जा कर अराजकता फैला रखी थी। यहां से कानून व्यवस्था को खराब करने की साजिश रची जाती थी। एक यूजर ने लिखा कि 18 जून, 1576 को अकबर और महाराणा प्रताप के बीच हल्दीघाटी का युद्ध लड़ा गया था। संयोग देखिए कि महाराणा प्रताप के उपासक पूज्य महाराज जी के नेतृत्व में कल ही (युद्ध वाले दिन) अकबर नगर इतिहास के पन्नों में दफन हो गया। ऐसे संयोग ईश्वरीय इच्छा से ही बनते हैं। कुछ लोग इसे लैंड जिहाद का खात्मा भी करार दे रहे हैं।

ग्राम मदारीपुर में दिवंगत सैनिक को गार्ड ऑफ ऑनर के द्वारा मातमी धुन के साथ किया गया अंतिम संस्कार

♦भारत टाइम्स♦

कुठौंद जालौन !भटिंडा (पंजाब) में तैनात सैनिक हरी सिंह की ड्यूटी के दौरान अचानक दर्द होने से वहीं पर मृत्यु हो गई! मृत्यु की सूचना पाकर घर में कोहराम मच गया आज मृतक की बटालियन द्वारा सेना के जवान का शव भटिंडा (पंजाब) से गांव मदारीपुर लाया गया जहां पर सेना के अधिकारियों के द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर देकर मृतक सैनिक का अंतिम संस्कार कर दिया गया। विवरण के अनुसार मदारीपुर निवासी हरी सिंह भास्कर भारतीय थल सेना में नायक के पद पर तैनात थे बीते दिनों उनके सीने में अचानक दर्द हुआ तभी सैनिक को सेना के अस्पताल ले जाया गया जहां उनका निधन हो गया निधन की सूचना परिवारी जनों को दी गई। सूचना मिलते ही पूरे परिवार में गम का माहौल व्याप्त हो गया दिवंगत सैनिक हरी सिंह भास्कर पुत्र छक्की लाल भटिंडा में तैनात थे! उनका वहीं पर निधन हो गया उनके निधन की सूचना पाकर मदारीपुर गांव में सन्नाटा छा गया ! गम व देशभक्ति के बीच गांव में ही नही पूरे क्षेत्र के लोग कर्तव्य पथ पर अपना बलिदान देने वाले सैनिक हरी सिंह के अंतिम दर्शन करने के लिए जन सैलाब उमड़ पड़ा। जन सैलाब को नियंत्रित करने के लिए लोगों ने पूरे धैर्य की परीक्षा दी और कर्तव्य पथ पर शहीद जवान के अंतिम दर्शन करने की होड़ मच गई। सेवा काल के दौरान भारत माता की रक्षा करते-करते अपनी जान की बाजी लगाने वाले दिवंगत सैनिक हरी सिंह के निधन की सूचना पाकर नवनिर्वाचित सांसद नारायण दास अहिरवार , उप जिलाधिकारी जालौन अतुल कुमार, नायब तहसीलदार जालौन मुकेश कुमार ,पुलिस क्षेत्राधिकारी राम सिंह ,थाना अध्यक्ष कुठौद कृष्ण पाल सरोज, थाना अध्यक्ष सिरसा कलार ब्रजेश बहादुर सिंह, प्रशासनिक अमला तथा पूर्व सैनिक व ग्राम प्रधानगण एवं मीडिया के लोग भी मौके पर मौजूद रहे। मौके पर पहुंचे सभी लोगों के द्वारा मृतक सैनिक को श्रद्धांजलि अर्पित की गई! सेना के जवानों द्वारा मातमी धुन के बीच दिवंगत हरी सिंह को अंतिम विदाई दी हरी सिंह को मुखाग्नि उनके भाई ने दी बताया जाता है हरी सिंह एक मिलनसार व्यक्तित्व के थे तथा जब भी वह अवकाश पर घर आते थे तो युवाओं को सेना में जाने के लिए भी प्रेरित किया करते थे इनका परिवार मदारीपुर में लगभग 25 वर्षों से रह रहा है यह पूर्व में ग्राम लोहई दिवारा के निवासी थे! उनके परिवार में उनकी पत्नी तथा दो पुत्र दो पुत्रियां नाबालिक हैं! पत्नी तथा बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल बना हुआ है!

श्री आईजी गौशाला बालाजी नगर में योग शिविर 21 जून को

♦भारत टाइम्स♦

हैदराबाद। हैदराबाद बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में शुक्रवार 21 जून को योग शिविर का आयोजन किया जाएगा। गौशाला के अध्यक्ष मंगलाराम पंवार एवं सचिव हुकमाराम सानपुरा ने आज जारी विज्ञप्ति में स्थानीय लोगों से शिविर में भाग लेकर योगाभ्यास करने की अपील की है सुबह 7 बजे से आयोजित शिविर में योग गुरु रणवीर योग अकादमी के मास्टर रमेश लोगों को विभिन्न योगासनों के बारे में जानकारी देंगे और अभ्यास कराएंगे।यह शिविर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है।

प्राण घातक हमला करने के चार आरोपियों को जेल भेजा

♦भारत टाइम्स♦

बोरुंदा। सोहनलाल वैष्णव। थाना क्षेत्र के सोवनिया गांव में एक व्यक्ति पर मारपीट कर प्राण घातक हमला करते हुए कार चढ़ाने के प्रयास के आरोप में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया। थाना अधिकारी देव किशन ने बताया कि करीब तीन माह पूर्व दर्ज मामले में जांच अधिकारी महेश कुमार मीणा ने प्रार्थी विक्रम सिंह पुत्र बजरंग सिंह निवासी सोवनिया की रिपोर्ट पर अनुसंधान करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जिसमें अर्जुन सिंह पुत्र चैन सिंह निवासी सोवनिया, अर्जुन सिंह पुत्र बहादुर सिंह निवासी संबाड़िया, पदमसिंह पुत्र शिव सिंह निवासी सोवनिया व गोपालसिंह पुत्र अमरसिंह निवासी संबाड़िया थाना बिलाड़ा को गिरफ्तार कर सम्बंधित न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें उप कारागृह पिचियाक जेल भेज दिया।

लखनऊ की ऐशनी पाठक ने उत्तर भारत का प्रसिद्ध नृत्य कत्थक प्रस्तुति की

कलाकारों को प्रमाण पत्र एवम आशीर्वचन डॉ अन्नपूर्णा दीक्षित आर्य महिला पीजी कॉलेज बीएचयू वाराणसी, डॉ ममता दीक्षित लखनऊ यूनिवर्सिटी असिस्टेंट प्रोफेसर ने प्रदान किया

♦भारत टाइम्स♦

संजय यादव/वाराणसी। जिला प्रशासन की अभिनव पहल पर बुधवार को सुबह ए बनारस के अंतर्गत घाट संध्या कार्यक्रम में लखनऊ सेय पधारी युवा कलाकार ऐशनी पाठक ने उत्तर भारत का प्रसिद्ध नृत्य कत्थक की प्रस्तुति का शुभारंभ गणेश वंदना तत्पश्चात शिव स्तुति तीन ताल, गुरु वंदना, कृष्ण भजन तीन ताल , एवम समापन मोहे रंग दो लाल से किया। कलाकार ने अपने पद, लय, ताल ,अंग संचालन एवं घुंघरू की झंकार से मुक्ता काशिय घाट संध्या के मंच को झंकृत कर दर्शकों के हृदय को मंत्र मुग्ध किया।कलाकार की दक्षता और समर्पित भाव से परिपूर्ण प्रस्तुति ने मां गंगा के तट पर दैविक आभामंडल से संपूर्ण परिवेश को संतृप्त कर दिया।कलाकार को प्रमाण पत्र एवम आशीर्वचन डॉ अन्नपूर्णा दीक्षित (आर्य महिला पीजी कॉलेज बीएचयू वाराणसी), डॉ ममता दीक्षित(लखनऊ यूनिवर्सिटी असिस्टेंट प्रोफेसर) ने प्रदान किया।इस अवसर पर कलाकार को प्रमाण पत्र एवम आशीर्वचन प्रदान करने के साथ ही उनकी अनवरत संगीत साधना की प्रशंसा की गई। घाट संध्या कार्यक्रम की परिकल्पना सुबह ए बनारस के सचिव एवम संस्थापक डॉ रत्नेश वर्मा ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सीमा केसरी ने किया। इस अवसर पर डॉ प्रेम नारायण, किशोर राय चौधरी, सुजीत ठाकुर सहित भारी संख्या में दर्शक गण उपस्थित रहे।

अजमेर–ब्यास–अजमेर (01 ट्रिप) सत्संग स्पेशल रेलसेवा का संचालन

♦भारत टाइम्स♦

अजमेर। रेलवे द्वारा ब्यास में आयोजित राधा स्वामी सत्संग के आयोजन को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु अजमेर-ब्यास- अजमेर (01 ट्रिप) सत्संग स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाडी संख्या 09641, अजमेर-ब्यास स्पेशल रेल सेवा दिनांक 27.06.24 को अजमेर से 17.15 बजे रवाना होकर अगले दिन 12.00 बजे ब्यास पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09642, ब्यास-अजमेर स्पेशल रेल सेवा दिनांक 30.06.24 को ब्यास से 14.15 बजे रवाना होकर अगले दिन 09.45 बजे अजमेर पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में किशनगढ, फुलेरा, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई, अलवर, रेवाडी, भिवानी, हिसार, जाखल, धुरी, लुधियाना व जालन्धर सिटी स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस गाडी में 02 थर्ड एसी, 12 द्वितीय शयनयान, 08 साधारण श्रेणी एवं 02 गार्ड डिब्बों सहित कुल 24 डिब्बें होगें।

काग्रेसियों ने राहुल गांधी के जन्मदिन पर मरीजों को बांटे फल

♦भारत टाइम्स♦

रामनगर/वाराणसी। बुधवार को रामनगर कांग्रेस मंडल के कार्यकताओं की ओर से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर गरीबों किसानों मजदूरों के मसीहा मोहब्बत का पैगाम देने वाले राहुल गांधी के जन्मदिन पर रामनगर मंडल कांग्रेस अध्यक्ष शमशाद खान के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन के साथियों ने बुधवार को लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सालय के विभिन्न वार्डों में मरीजों के बीच फल बितरित किया। जिसमें प्रमुख रूप से विपिन सिंह, सपा पार्षद राजकुमार राजू, सुजीत सिंह,जावेद खान, शिवजी मौर्य,महानगर पिछड़ा वर्ग संगठन के अध्यक्ष विवेक कुमार कहार,मनीष यादव, राजेश महाराज,रवि प्रताप, यासीन राईन,सुरेश बघेल,भगवती प्रसाद श्रीवास्तव, हिमांशु राय, अजहरुद्दीन,हीरालाल,विनोद सेठ, अली जान,अजय कुमार पांडे,डॉक्टर साजिद अंसारी आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

काग्रेसियों ने राहुल गांधी के जन्मदिन पर मरीजों को बांटे फल

♦भारत टाइम्स♦

रामनगर/वाराणसी। बुधवार को रामनगर कांग्रेस मंडल के कार्यकताओं की ओर से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर गरीबों किसानों मजदूरों के मसीहा मोहब्बत का पैगाम देने वाले राहुल गांधी के जन्मदिन पर रामनगर मंडल कांग्रेस अध्यक्ष शमशाद खान के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन के साथियों ने बुधवार को लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सालय के विभिन्न वार्डों में मरीजों के बीच फल बितरित किया। जिसमें प्रमुख रूप से विपिन सिंह, सपा पार्षद राजकुमार राजू, सुजीत सिंह,जावेद खान, शिवजी मौर्य,महानगर पिछड़ा वर्ग संगठन के अध्यक्ष विवेक कुमार कहार,मनीष यादव, राजेश महाराज,रवि प्रताप, यासीन राईन,सुरेश बघेल,भगवती प्रसाद श्रीवास्तव, हिमांशु राय, अजहरुद्दीन,हीरालाल,विनोद सेठ, अली जान,अजय कुमार पांडे,डॉक्टर साजिद अंसारी आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

दिए निर्देश जिलाधिकारी ने किसानों की समस्याओं को सुन निस्तारण के दिए निर्देश

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कृषि भवन सभागार में हुई किसान दिवस की बैठक

♦भारत टाइम्स♦

आनंद मोहन मिश्रा। बलिया। किसान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी रवींद्र कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को कृषि भवन सभागार में किसान दिवस की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों की शिकायतों को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर सुना जाए और उसका शीघ्र निस्तारण किया जाए। खासकर कृषि, सिंचाई व बिजली विभाग के अधिकारियों को विशेष रूप से किसान भाइयों की बातों का ख्याल रखने को कहा। इस अवसर पर किसानों ने कृषि से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया। किसान अखिलेश सिंह सहित अन्य किसानों ने जनपद में अभी तक मंसूर,चना का क्रय केंद्र न खुलने का मामला उठाया और कहा कि जनपद के बहुत से किसान अपनी फसल नहीं बेच सके हैं। इस पर जिलाधिकारी ने डिप्टी आरएमओ, नैफेड और पी०सी०एफ के अधिकारियों से सवाल जवाब किया तो बताया गया कि जनपद में पी०सी०एफ ही इन फसलों की खरीद करती है। जिलाधिकारी ने पी०सी०एफ० के एम डी से फोन पर बात की और संबंधित अधिकारी को अगले तीन-चार दिन में क्रय केंद्र खोलने का निर्देश दिया। किसानों द्वारा एक मामला उठाया गया कि बहुत से किसानों का घर टाउन एरिया में पड़ता है लेकिन खेती वे ग्रामीण क्षेत्रों में करते हैं जिससे फ्री ट्यूबवेल की सब्सिडी का लाभ उन्हें नहीं मिल पाता है। इस पर जिलाधिकारी ने शासन स्तर पर सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया। किसान ब्रह्मानंद तिवारी ने बताया कि बारिश के कारण उनकी गेहूं की फसल बर्बाद हो गई, एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी के द्वारा इसका सर्वे भी कराया गया लेकिन प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ अब तक नहीं मिला है। इस पर जिलाधिकारी ने एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी के एजेंट को अब तक जनपद में कराए गए सारे सर्वे रिकॉर्ड और कितने किसानों को इस योजना से लाभान्वित किया गया,की रिपोर्ट मुख्य विकास अधिकारी के यहां प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। एक किसान द्वारा बताया गया कि मनियर बांसडीह मार्ग पर दहताल में पानी जमा हो जाने से आसपास के किसानों का 500 से 1000 हेक्टेयर की एक सीजन की फसल का नुकसान होता है। यदि सिंचाई विभाग द्वारा वाटर लिफ्टिंग लगाकर इसके पानी को घाघरा में ट्रांसफर करवा दिया जाए तो किसानों का भला हो जाएगा। इस पर जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को अपने स्तर और शासन स्तर पर कार्रवाई कर किसानों की समस्या को निस्तारित कराने का निर्देश दिया। इसके अलावा कुछ किसानों ने नई वेइंग मशीन के द्वारा राशन वितरण में अंगूठे ना लगने, निःशुल्क बीज वितरण, आगामी सीजन के लिए उर्वरक स्टॉक, बिजली विभाग से कनेक्शन, ग्रीन फील्ड के आसपास भूमि वितरण के संबंध में और निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से नये उद्योग लगाने संबंधी आने वाली विभिन्न समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया और उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को अगली बैठक से पहले सभी का समुचित निराकरण कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने वहां उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जो भी बैठक के दौरान किसानों ने अपनी समस्याएं रखी है, उसकी अगली बैठक से पहले तक समाधान करके आएँ, तभी इस किसान दिवस की बैठक सार्थकता सिद्ध होगी। अन्य किसानों ने भी अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया, जिसके समाधान के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज,उप निदेशक कृषि मनीष सिंह, जिला कृषि अधिकारी पवन कुमार प्रजापति सहित अन्य संबंधित अधिकारी व जनपद के किसान भाई मौजूद थे।